सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी -पेज: 7

टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 229 | शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट की धमकी, महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाले (एजेंसी)। मणिपुर में जारी सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट करने की धमकी देने के आरोप में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन केसीपी (एमएफएल) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक फेसबुक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट किए वीडियो के बाद की गई, जिसमें 21 से 30 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। उग्रवादियों को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है। पूर्वोत्तर राज्य में विस्थापित व्यक्तियों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा इस सांगई महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच जारी अभ्यास गरुड़ 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (एफएएसएफ) के बीच चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास गरुड़ 2025 पर केंद्रित है। यह गरुड़ अभ्यास का आठवाँ संस्करण है, जो 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद अंतर-संचालन को और मज़बूत करना। दपेशेवरता, सटीकता और एकजुट टीमवर्क के माध्यम से द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती को सुदृढ़ करना। यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना। आपसी शिक्षा और परिचालन ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। शामिल भारतीय वायुसेना के विमान: एसयू-30एमकेआई, सी-17 ग्लोबमास्टर तीसरी (प्रेरण और विप्रेषण चरणों के लिए एयरलिफ्ट सहायता)। आईएल-78 (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए)। मिशन हवा से हवा में होने वाली मुठभेड़ों, वायु रक्षा अभियानों, और समन्वित हमले अभियानों पर केंद्रित हैं। यह अभ्यास मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हवाई संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में 13 लाख के इनामी माओवादी जोड़े ने किया सरेंडर

रायपुर (एजेंसी)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 13 लाख रुपये के इनामी जोड़े ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। 'मुन्ना' (7 लाख इनामी) और उसकी साथी 'जूली' (6 लाख इनामी) ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 को जीवन बदलने वाला कदम बताया। यह 25 वर्षीय जोड़ा पिछले कई सालों से बस्तर के माड़ संभाग और मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) त्रि-राज्यीय क्षेत्र में सक्रिय था। दोनों कैडर भर्ती, रसद आपूर्ति और हिंसक वारदातों में शामिल रहे। घने जंगलों में छिपे रहकर पुलिस को लगातार चकमा देते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि लगातार सर्जिकल ऑपरेशन, स्थानीय लोगों का सहयोग और सम्मानजनक पुनर्वास के वादे ने इस जोड़े को मुख्यधारा में लौटने को मजबूर किया। सरेंडर करने वालों को तत्काल वित्तीय सहायता, मासिक वजीफा, आवासीय प्लॉट, कौशल प्रशिक्षण और दीर्घकालिक सुरक्षा दी जाएगी। यह आत्मसमर्पण माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पिछले 23 महीनों में राज्य में 2,200 से अधिक माओवादी या तो सरेंडर कर चुके हैं या मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, संगठन के अंदर बढ़ता असंतोष, पूर्व साथियों का सफल पुनर्वास और सुरक्षाबलों का दबाव आत्मसमर्पण की रफ्तार बढ़ा रहा है। पुलिस इसे 'गेम-चेंजर' बता रही है। माना जा रहा है कि बस्तर और त्रि-राज्यीय सीमा के माओवादी गढ़ अब तेजी से खाली हो रहे हैं। सरकार की सख्ती और आकर्षक पुनर्वास नीति के सामने माओवादी विचारधारा लगातार कमजोर पड़ रही है।

राबड़ी को आवास खाली करने का नोटिस, गिरिराज सिंह ने कहा... सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस को लेकर बयानबाजी जारी है। जहां केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, बिहार में कानून का राज है। कानून के तहत किसी को आवास मिलाता है, तब आवास खाली किया जाता है। नहीं खाली करने पर पुलिस उस बलपूर्वक हटा देती है। सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होती है। वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा है कि, किसी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेगी। ये लालू परिवार को अपमानित करने की साजिश है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं। उन्होंने ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया। वहीं भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राबड़ी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के दौरान टोंटी और अन्य सरकारी संपत्ति की चोरी ना हो, इसका ध्यान रखें। 20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। मंगलवार को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में गुरूवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बैन आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने के शक में कई लोगों के घरों-ठिकानों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर, बारामूला और कुलगाम में तलाशी ली है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन और कई लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठनों को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है।

पीएम मोदी ने हैदराबाद में स्काईरूट के परिसर का किया उद्घाटन, अंतरिक्ष सुधारों पर बात की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट' के इन्फिनिटी' परिसर का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया और सरकार के ऐतिहासिक' अंतरिक्ष सुधारों पर प्रकाश डाला।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट' के इन्फिनिटी' परिसर का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया और सरकार के ऐतिहासिक' अंतरिक्ष सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पेलोड को पृथ्वी की कक्षा तक ले जाने वाले कंपनी के पहले रॉकेट विक्रम-1' का भी अनावरण किया, जिसमें उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सरकार के ह्याऐतिहासिक' अंतरिक्ष सुधारों का जिक्र किया और कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी व्यक्तियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य कंपनियां ऐसे नवाचारों के साथ सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें जगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इनफिनिटी कैंपस' भारत की नयी सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।" मोदी ने कहा कि आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बन रहा है और भारत की निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रतिभा दुनिया भर में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की यात्रा का वर्णन उसके प्रारंभिक चरण- जहां रॉकेट के भागों को साइकिल पर ले जाया जाता था - से लेकर सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान" के निर्माण तक किया। उन्होंने कहा कि यात्रा भले ही सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुई हो लेकिन विकास ने साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प ही सपनों को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि इन बदलते दौर में अंतरिक्ष क्षेत्र का बहुत विस्तार हो रहा है तथा इसमें संचार, मौसम पूवार्नुमान, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा आदि क्षेत्र शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए हमने अंतरिक्ष क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं, इसे निजी क्षेत्र के लिए खोला है, नई अंतरिक्ष नीति बनाई है। स्टार्टअप और उद्योग को नवाचार से जोड़ा गया है, ह्याइन-स्पेस' की स्थापना की गई है।" उन्होंने कहा कि परमाणु क्षेत्र को भी निजी कंपनियों के लिए खोलने की योजना है। स्काईरूट के इस अत्याधुनिक केंद्र में लगभग दो लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र होगा, जिसमें कई प्रक्षेपण वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण की व्यवस्था होगी। इस परिसर में हर महीने एक ऑर्बिटल रॉकेट तैयार करने की क्षमता है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की थी। दोनों भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के पूर्व छात्र हैं और इसरो के पूर्व वैज्ञानिक भी रह चुके हैं। नवंबर 2022 में स्काईरूट ने अपना उप कक्षीय रॉकेट विक्रम-एस' प्रक्षेपित किया था और ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में पहले कहा गया था कि निजी अंतरिक्ष उद्यमों का तेजी से उभरना पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी सुधारों की सफलता का प्रमाण है, जिसने भारत की पहचान को एक आत्मविश्वासी और सक्षम वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत किया है। अपने संबोधन में मोदी ने याद किया कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन इसकी महत्वाकांक्षाएँ कभी सीमित नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि दशकों से इसरो ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा को नई ऊंचाइयां दी हैं और विश्वसनीयता, क्षमता और मूल्य ने इस क्षेत्र में भारत की एक अलग पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अंतरिक्ष एजेंसी इसरो की सुविधाएं और तकनीकें स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने यह बताया कि पिछले छह सात वर्षों में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को एक सहयोग-प्रधान और नवाचार-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखता है और हर अवसर का सही उपयोग करता है। सरकार ने जब अंतरिक्ष क्षेत्र को खोला, तो देश के युवाओं और विशेष रूप से ह्याजेन-जेड' ने आगे बढ़कर इसका पूरा लाभ उठाया। ह्याजेन जेड' पीढ़ी का तात्पर्य उन लोगों से है जिनका जन्म लगभग 1997 और 2012 के बीच हुआ। उन्होंने कहा, ह्याह्याआज 300 से अधिक भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप भारत के अंतरिक्ष भविष्य को नई उम्मीदें दे रहे हैं। इनमें से अधिकांश स्टार्टअप ने छोटी टीम से शरूआत की थी और मुझे उनसे मिलने का अवसर मिला। टीम छोटी थीं, संसाधन सीमित थे, लेकिन उनके इरादे बहुत ऊंचे थे।" मोदी ने कहा कि इसी भावना ने भारत में निजी अंतरिक्ष क्रांति को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि आज जेन-जेड इंजीनियर, जेन-जेड डिजाइनर, जेन-जेड कोडर्स और जेन-जेड वैज्ञानिक नई तकनीकों का निर्माण कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि चाहे प्रणोदन प्रणाली हो, कंपोज़िट सामग्री हो, रॉकेट के चरण हों या उपग्रह मंच हो, भारत के युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो कुछ वर्ष पहले तक अकल्पनीय थे।

दिल्ली में प्रदूषण की वजह से बच्चा नहीं ले पा रहा था सांस, करानी पड़ी सर्जरी

-महिला ने वीडियो शेयर कर तकलीफ की बयां, यूजर्स बोले- यह बहुत डरावना

नई दिल्ली(एजेंसी)। नोएडा में एक महिला ने कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से उसके छोटे बेटे की तबीयत इतनी खराब हो गई कि उसे सर्जरी करवानी पड़ी। महिला ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें वह अस्पताल में भर्ती अपने बेटे की हालत दिखाते हुए तकलीफ बयां कर रही थी। साक्षी पाहवा नाम की इस महिला ने लिखा कि वह दो साल पहले अपने परिवार के साथ दिल्ली-एनसीआर में शिफ्ट हुई थीं। तभी से उनके बच्चे को लगातार सर्दी-खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई दवाइयां आजमाईं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। साक्षी ने कहा कि प्रदूषण बढ़ता गया और उनके बच्चे की परेशानी भी बढ़ती गई।

पोस्ट में महिला ने लिखा- माता-पिता होने के नाते, उसे अस्पताल में रोता देखकर हमारा दिल टूट गया। हम टैक्स देते हैं और बदले में हमारे बच्चों को यही मिलता है। अब आवाज उठाने का समय आ गया है। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण ने न सिर्फ हमारी सांस लेने वाली हवा को प्रभावित किया...बल्कि मेरे नन्हे-मुन्ने बच्चे को सर्जरी करवानी पड़ी। पोस्ट देखने के बाद कई लोगों ने अपनी चिंता और गुस्सा जाहिर किया।

एक यूजर ने सलाह दी- कृपया रहने की जगह बदल लें। दवाइयों और तकलीफ से बेहतर है कि आप किसी साफ हवा वाले शहर में चले जाएं। दूसरे ने लिखा- यह बहुत डरावना है। लोग बीमार हो रहे हैं और सरकार सच्चाई

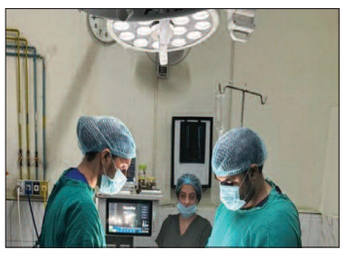

छिपाने में लगी है। तीसरे ने कहा- जिन्हें लगता है कि यह प्रदूषण की वजह से नहीं है, वे अस्पताल जाकर देखें। ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग खराब हवा की वजह से बीमार हो रहे हैं। बता दें बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई 337 दर्ज किया गया था, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। शहर के 39 एयर मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 34 ने बहुत खराब और बाकी 5 ने खराब हवा दर्ज की थी।

मतुआ समुदाय को नागरिकता देने का किया था वादा, अब एसआईआर में नाम कटने का सता रहा डर

-पश्चिम बंगाल में गरमाई राजनीति, बढ़ती चिंता के बीच सीएए आवेदन केंद्र शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमा गई है। वजह है मतुआ समुदाय का बड़ा वोट बैंक। मतुआ वे हिंदू शरणार्थी हैं जो धार्मिक उत्पीड़न के चलते बांग्लादेश से भारत आ गए थे। ये लोग दशकों से भारतीय नागरिकता की मांग कर रहे हैं। बीजेपी ने सीएए के जरिए उन्हें नागरिकता देने का वादा किया था। 2014 के बाद हुए चुनावों में इस वादे के कारण मतुआ समुदाय ने बड़ी संख्या में बीजेपी का समर्थन किया था। अब मतुआ समुदाय के बीच गहरी चिंता है। वजह है पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के लिए शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद कई मतुआ लोग डर रहे हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट से हट सकता है। उनकी सबसे बड़ी परेशानी है कि वे अपनी पारिवारिक ऐतिहासिक कड़ियां साबित नहीं कर पाएंगे, क्योंकि उनकी जड़ें बांग्लादेश में हैं। समुदाय के सामने मुश्किल स्थिति है। वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने के लिए उन्हें आधिकारिक भारतीय नागरिक होना जरूरी है, लेकिन अगर वे सीएए के तहत आवेदन करते हैं, तो उन्हें खुद को औपचारिक रूप से बांग्लादेशी विदेशी नागरिक घोषित करना पड़ता है। इससे नागरिकता मिलने तक उनकी कानूनी स्थिति अनिश्चित और कमजोर हो जाती है।

इस स्थिति का दबाव केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर पर भी बढ़ रहा है। वे मतुआ समुदाय के सबसे बड़े राजनीतिक नेता माने जाते हैं। बढ़ती चिंता के बीच उन्होंने सीएए आवेदन केंद्र शुरू करवाए हैं। यहां ऑल इंडिया मतुआ महासंघ, जो कि समुदाय का प्रमुख संगठन है, आवेदन करने वालों को प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। 52 साल के सुशील विश्वास जो 15 साल पहले बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए थे, उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आया। मैं नागरिकता के लिए सीएए में आवेदन करने आया हूं। एसआईआर और इसके परिवार पर असर को लेकर मुझे डर है, लेकिन भारत सरकार ने हमें नागरिकता देने का वादा किया है।

हालांकि, मतुआ महासंघ की ओर से जारी इन प्रमाण पत्रों की कानूनी वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या किसी केंद्रीय मंत्री को ऐसे दस्तावेज जारी करने का अधिकार है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बोंगांव की एक रैली में इसे लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये लोग 100 रुपए लेकर 'हिंदुत्व कार्ड' बांट रहे हैं। ये मतुआ लोगों का शोषण कर रहे हैं। यह पैसे कमाने की योजना है। सीएए के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। यह बीजेपी की पहले से बनी राजनीतिक साजिश है।

रिपोर्ट के मुताबिक शांतनु ठाकुर ने कहा कि सीएए गृह मंत्रालय के तहत आता है, जबकि एसआईआर चुनाव आयोग देखता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके पास पहले से वोटर कार्ड है, वे पहले से ही भारतीय नागरिक माने जाते हैं। मामला इसलिए और जटिल हो गया है क्योंकि एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 4 दिसंबर बहुत नजदीक है। मतुआ समुदाय की सबसे बड़ी जरूरत

आधिकारिक नागरिकता है, ताकि उनका नाम नई वोटर लिस्ट में बना रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार के लिए इतने कम समय में सीएए के जरिए लाखों मतुआ लोगों को नागरिकता देना असंभव है।

मंत्री शांतनु ठाकुर ने केंद्र सरकार से नागरिकता प्रक्रिया तेज करने की मांग की है। इस वक्त मतुआ समुदाय एक तरफ सालों से किए गए नागरिकता के वादे और दूसरी तरफ वोटर लिस्ट से नाम कटने के डर के बीच फंसा है। इससे उनका मानवीय संकट अब पश्चिम बंगाल में एक बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संकट बन गया है।

राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और असम के लिए नए एफआरआरओ नियुक्त

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़, जयपुर और गुवाहाटी में आव्रजन ब्यूरो के तहत तीन नए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी नियुक्त किए हैं। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। बुधवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के मुताबिक चंडीगढ़ के लिए नव नियुक्त विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) के कार्य क्षेत्र में यह केंद्र शासित प्रदेश और हरियाणा आएगा। जयपुर के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और गुवाहाटी के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में असम आएगा। इससे पहले दिल्ली के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और हरियाणा आते थे। वहीं अमृतसर के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में चंडीगढ़ आता था। असम राज्य कोलकाता के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र मेंथा। ये नियुक्तियां नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत की गई हैं, जो इस साल 1 सितंबर को लागू हुआ है। नए अधिनियम में जाली पासपोर्ट या वीज़ा रखने वाले विदेशियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

मुंबई की मतदाता सूची में गड़बड़ी: 11 लाख से अधिक डुप्लीकेट नामों का हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। शहर के कुल 1.03 करोड़ मतदाताओं में से करीब 11 लाख से अधिक नाम दोहराए गए हैं, यानी लगभग 10.64 प्रतिशत प्रविष्टियां डुप्लीकेट हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि डुप्लीकेट एंट्रीज वाले शीर्ष वार्डों का प्रतिनिधित्व पहले विपक्षी दलों के पार्षद करते थे।

मसौदा मतदाता सूची में 4.33 लाख ऐसे मतदाता मिले हैं जिनके नाम दो बार से लेकर 103 बार तक दर्ज हैं। इससे कुल डुप्लीकेट प्रविष्टियां 11,01,505 तक पहुंच गई हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट नाम वाले पांच में से चार वार्ड पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के पार्षदों के पास थे। इनमें वर्ली विधानसभा क्षेत्र के दो वार्ड भी शामिल हैं, जहां से शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे विधायक हैं।

वर्ली के वार्ड नंबर 199 (पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर का पुराना वार्ड) में सबसे अधिक 8,207 डुप्लीकेट वोटर हैं। इसके बाद घाटकोपर (वार्ड 131) में 7,741, परेल-लालबाग (वार्ड 203) में 7,624, कालाचौकी (वार्ड 205) में 7,585 और सेंचुरी मिल (वार्ड 194) में 7,584 डुप्लीकेट प्रविष्टियां हैं।

आदित्य ठाकरे ने एक्स पर पोस्ट कर गंभीर आरोप लगाया है कि लाखों नाम जानबूझकर दोहराए गए हैं, घरों की गलत एंट्री की गई है और वोटर कार्ड में मूल जानकारी तक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आपत्ति दर्ज करने की समयसीमा न बढ़ाने से चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

निर्वाचन आयोग ने आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तारीख 27 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। अंतिम मतदाता सूची 10 दिसंबर को प्रकाशित होगी। नाम दोहराने के कारणों में प्रिंटिंग त्रुटि, मतदाताओं का स्थानांतरण और मृत व्यक्तियों के नाम न हटाना बताया गया है। अब बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। सभी 25 सहायक नगर आयुक्तों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि 11 लाख का आंकड़ा डुप्लीकेट व्यक्तियों की नहीं, बल्कि दोहराई गई प्रविष्टियों की संख्या है। सफाई अभियान तेज है, लेकिन इस देरी से बीएमसी चुनाव में भी विलंब हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 31 जनवरी 2026 तक चुनाव कराने थे, लेकिन अब फरवरी तक खिसकने की आशंका है। विपक्ष इसे सुनियोजित साजिश बता रहा है, जबकि सत्ताधारी पक्ष इसे तकनीकी खामी बता रहा है। मतदाता सूची की सफाई अब मुंबई के सियासी भविष्य की सबसे बड़ी परीक्षा बन गई है।

पाकिस्तान की राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर टिप्पणी, कांग्रेस नेता ने कहा... अपनी सीमा में रहना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि पाकिस्तान को अपनी सीमा में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के साथ पाकिस्तान के चल रहे मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि पाकिस्तान खुद विभाजन की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करता। हमारे पास एक स्वस्थ लोकतंत्र और मज़बूत संविधान है, और यह उनकी तरह हर 8-10 साल में नहीं बदलता। पाकिस्तान भारत के

मामलों पर टिप्पणी करके अपनी मौत को न्यौता दे रहा है... पाकिस्तान टूटने वाला है... हम अपने आंतरिक मामले खुद सुलझा सकते हैं। इससे पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की निंदा कर आरोप लगाया कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभावपूर्ण है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत सरकार से मुसलमानों सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करके और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार उनके पूजा स्थलों की रक्षा करके अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। लेकिन भारत ने भगवान राम मंदिर में ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और उसकी टिप्पणियों को उसी तिरस्कार के साथ खारिज कर दिया जिसके वे हकदार हैं और उससे अपनी नज़रें अंदर की ओर मोड़ने और अपने स्वयं के दयनीय मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

संपादकीय

गवई गए, सूर्य कांत आए!

भूषण गवई सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में गवई से जनता को बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की तरह ये भी बड़ी-बड़ी बातें करते हुए रिटायर हो गए। मुख्य न्यायाधीश गवई ने इस दौरान संविधान पर भाषण दिए। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहते थे, 'न्यायपालिका स्वतंत्र होनी चाहिए। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में जो हुआ, वह सबने देखा है। भारत के भीतर और बाहर कुछ समस्याएं होने के बावजूद, देश अखंड है। यह संविधान की देन है।' हालांकि, गवई की कही हर बात सही है, लेकिन आज हमारे देश में क्या स्थिति है? संविधान पर भाषण देना आसान है। क्या देश वास्तव में संविधान के अनुसार चलाया जा रहा है? आज भारतीय न्यायपालिका पर सरकारी दबाव है और उसी के अनुसार, संविधान को ताक पर रखकर सरकार द्वारा अपनी इच्छानुसार निर्णय लिए जा रहे हैं, यह एक ऐसा तथ्य है जिससे गवई इनकार नहीं कर सकते। भारत के लोकतंत्र पर कई तरह से हमले हो रहे हैं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए क्या किया है? एक ईमानदार, गंभीर, सक्षम और निडर न्यायाधीश ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार होता है। यह आधार ही आज ढह गया है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने स्वयं स्वीकार किया था कि महाराष्ट्र में एक असंवैधानिक, अवैध सरकार स्थापित की गई थी। चंद्रचूड़ ने स्वयं कहा था कि दलबदल विरोधी अधिनियम की धारा 10 का उल्लंघन हुआ था, लेकिन उन्होंने दलबदल करनेवालों को दंडित नहीं किया। चंद्रचूड़ ने भी अपनी राय व्यक्त की थी कि राज्यपाल का व्यवहार गलत था, लेकिन इससे क्या फायदा हुआ? शिवसेना का चुनाव चिह्न और पार्टी एक अवैध गुट को सौंपने का चुनाव आयोग का पैंतरा मूर्खतापूर्ण ही है और शिवसेना इसके खिलाफ संविधान के तहत न्याय पाने के लिए तीन साल से सुप्रीम कोर्ट में खड़ी है, लेकिन चंद्रचूड़ से लेकर गवई तक सिर्फ तारीखों का खेल चलता रहा। इसे

सरकारी दबाव- नहीं तो और क्या कह सकते हैं? अब जस्टिस गवई की जगह जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति हो गई है। राव गए और पंत के आने से न्यायपालिका पर क्या असर पड़ेगा? ये मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत महोदय ही शिवसेना पार्टी और चुनाव चिह्न के मालिकाना हक के मुद्दे पर सुनवाई बार-बार टालते रहे और अब उन्होंने इसे जनवरी के अंत तक टाल दिया है। एक तरफ संविधान की रक्षा की बात करना और दूसरी तरफ इसके खिलाफ काम करना। अमित शाह के दबाव में चुनाव आयोग ने शिवसेना और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को दे दिया और फिर सुप्रीम कोर्ट पर सरकार का दबाव है कि वह इस मामले में शिवसेना को न्याय न दे और तारीखों का खेल जारी रखे। प्रधानमंत्री जस्टिस चंद्रचूड़ के घर भगवान की पूजा करने जाते हैं और उनकी आरती उतारी जाती है। जस्टिस गवई ने भाषण तो खूब दिए, लेकिन उनमें डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जैसी निर्भीकता नहीं दिखी। सरकार ने कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सालों तक जेल में ठूंस रखा। अदालत पर दबाव डाला गया कि सजा पूरी होने के बाद भी उन्हें जमानत न दी जाए। भाजपा और संघ परिवार के लोगों को सीधे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावट से कैसे मिले छुटकारा

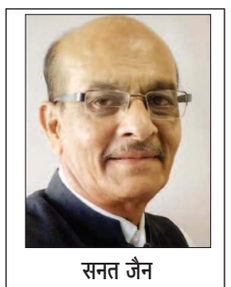

सनत जैन

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाते हैं। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुक्सान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है भी इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वर्गीकृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में जहर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चिट्ठी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है।

यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। लोगों को यह समझना होगा कि अत्याधिक चमकीले रंग, तेज गंध या असामान्य रूपझरूपांतर रखने वाले खाद्य पदार्थों से सतर्क रहें। इसके अलावा हमें शिकायत प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना होगा। हर नागरिक को यह अधिकार और आत्मविश्वास होना चाहिए कि वह संदिग्ध खाद्य पदार्थों की शिकायत एफएसएसएआई, स्थानीय प्रशासन या उपभोक्ता फोरम में दर्ज करा सके। मिलावटखोरी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड से नहीं जीती जा सकती है, बल्कि मिलावट रुपी राक्षस को नैतिकता और जिम्मेदारी के दम पर हराया जा सकता है। जब तक समाज में ईमानदारी और उपभोक्ता स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित नहीं होगी, तब तक कोई भी कानून पूर्ण प्रभावी सिद्ध नहीं हो सकेगा। अब वाकई वह समय आ गया है, जबकि मिलावट को सामान्य मानने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। भोजन में जहर की अनुमति नहीं दी जा सकती, न बाजार में, न नीतियों में और न ही हमारी उदासीनता में। मानव स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला यह खिलवाड़ का खेल अब बंद होना ही चाहिए।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रूवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार भारत का नया युग

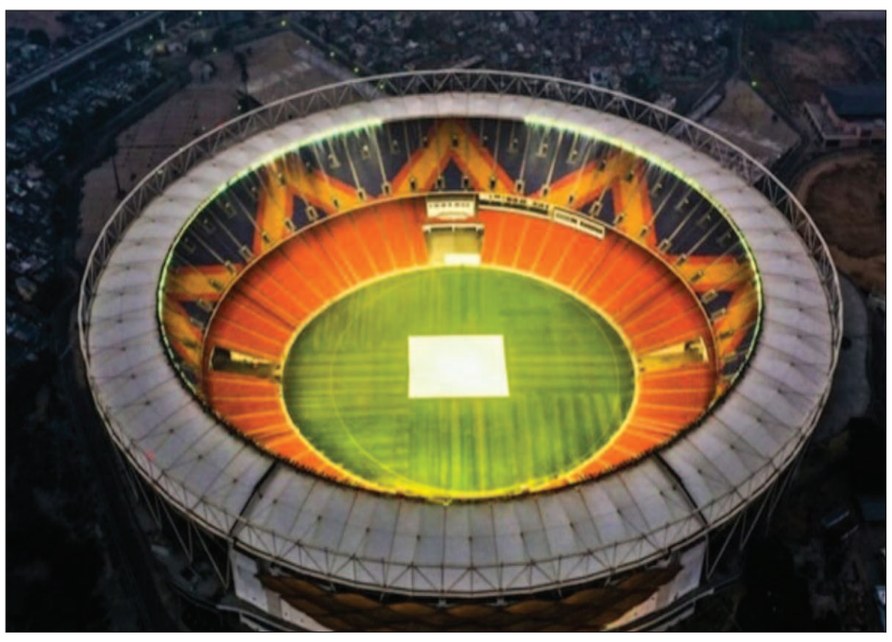

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगति?शील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है।आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी।

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएंगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विस्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा।दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है।जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि Sbse के विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

धनौरा में यातायात माह के अंतर्गत वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर वाहन चालकों को किया जागरूक

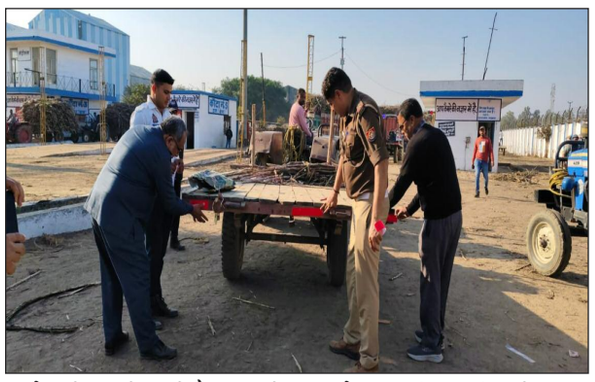

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को यातायात माह अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा मलेशिया गन्ना मील क्षेत्र में विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना एवं किसानों, ट्रैक्टर चालकों तथा अन्य वाहन चालकों को दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस टीम द्वारा किसानों के ट्रैक्टर, ट्रालियों एवं अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रिफ्लेक्टर टेप रात के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना में उल्लेखनीय कमी आती है। साथ ही यह भी बताया गया कि कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हाईवे एवं ग्रामीण मार्गों पर वाहन आसानी से दिखाई दें।यातायात अधिकारियों द्वारा मौके पर उपस्थित किसानों, ट्रैक्टर चालकों एवं अन्य नागरिकों को हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, सुरक्षित गति सीमा का पालन, ओवरलोडिंग से बचाव, शराब पीकर वाहन न चलाना, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय उपयोग न करना आदि महत्वपूर्ण सुरक्षा बिंदुओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि छोटे-छोटे सुरक्षा उपाय बड़े हादसों को रोकने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा यह संदेश भी दिया गया कि यातायात पुलिस का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जनहित में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अतः सभी वाहन चालक स्वयं जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित करें।

यातायात माह अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना एवं आमजन में सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता को और मजबूती प्रदान करना है।

पुरुष नसबन्दी पखवाड़े के अवसर पर परिवार नियोजन के प्रति जनमानस में जागरूक करने हेतु जनपद में सारथी वाहन रवाना

अमरोहा(सब का सपना):- मिशन परिवार विकास के अनार्गत सरकार द्वारा समय-समय पर पखवाडे का आयोजन कराया जाता है जिसमें जुलाई माह में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा, नवम्बर माह में पुरुष नसबन्दी पखवाडा, एवं जनवरी माह में मिशन परिवार विकास पखवाड़ा आयोजित किया जाता है। जिसके द्वारा लोगों में परिवार नियोजन सेवाओं को लेकर जागरूकता लायी जा सके और योग्य दम्पतियों को परिवार नियोजन साधनों से जोड़ा जा सके, इसी उद्देश्य से ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर सारथी वाहन चलाये जाते है जिससे लोगों को परिवार नियोजन की स्थायी एवं अस्थायी विधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी जा सके। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी जसकरन सिंह गंगवार ने बताया किय दम्पतियों में प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु पुरुषों की सहभागिता अत्यन्त महत्वपूर्ण है, प्रजनन स्वास्थ्य के दृष्टिगत पुरुष नसबन्दी बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिना टांका एवं चीरा लगाये दस मिनट की एक सरल प्रक्रिया है जिसमें लाभार्थी सेवा लेना के बाद आधे घण्टे में घर जा सकता है यह महिला नसबन्दी की तुलना में अधिक सुरक्षित स्थायी साधन है। सारथी वाहन के संचालन के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के समस्त अधिकारी, जिला कार्यकम प्रबन्धन इकाई एवं जिला सहयोगी संस्थान यू०पी०टी०एस०यू० एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

ओवरलोड ट्रॉलियों पर सख्ती, दो गन्ना वाहनों के काटे चालान

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में गन्ना पेराई सत्र 2025-26 शुरू हो चुका है। चंदपुर, धनौरा व गजरौला चीनी मिलों में क्रशिंग शुरू होने के साथ ही किसान अपने गन्ने की फसल मिलों तक पहुंचाने लगे हैं। ठंड बढ़ने व कोहरे की वजह से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। इसे देखते हुए जिला परिवहन विभाग व पुलिस ने मिलों की ओर जाने वाले गन्ना लदे वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी है।खास तौर पर उन वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है जो मानक से कहीं अधिक ऊंची-चौड़ी ट्रॉलियां बनवा कर गन्ना ढो रहे हैं। ऐसे वाहनों की ऊंचाई व चौड़ाई इतनी अधिक होती है कि बिजली के तारों से टकराने, पलटने व अन्य वाहनों से टकराने का खतरा बना रहता है। पिछले पेराई सत्र में ही सभी वाहन स्वामियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि इस तरह की अवैध ट्रॉलियों से गन्ना परिवहन न करें।बुधवार को हुई विशेष प्रवर्तन कार्रवाई में दो गन्ना लदे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालान काटे गए। दोनों वाहन तय मानकों से अधिक ऊंचाई व चौड़ाई वाली ट्रॉलियां लगाकर चल रहे थे। एआरटीओ प्रवर्तन महेश कुमार शर्मा व थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने वाहन स्वामियों को मौके पर कड़ी चेतावनी दी कि अगर फिर इस तरह का उल्लंघन हुआ तो वाहन जब्त करने सहित कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि किसानों का गन्ना समय से मिल तक पहुंचे, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है, लेकिन सड़क सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में चेकिंग अभियान को और तेज किया जाएगा।

जन चौपाल कूबी में मुख्य विकास अधिकारी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएँ

अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कूबी में आयोजित जन चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक अंबरीश, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।चौपाल में ग्राम के विकास की स्थिति चिंताजनक पाई गई। विद्युत विभाग का कोई कर्मचारी अनुपस्थित रहा, जिससे बिजली संबंधी शिकायतों पर चर्चा नहीं हो सकी। ग्रामीण नरदेव सिंह समेत कई लोगों की बिजली समस्या अनसुलझी रही। स्वास्थ्य विभाग से भी कोई अधिकारी नहीं आया। आशा कार्यकर्ता गीतांशु गुप्ता मौजूद तो थीं, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की और योजनाओं की पूरी जानकारी भी नहीं थी।आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति देवी ने बताया कि एक बच्चा कुपोषण का शिकार है, जो अभी मुरादाबाद में रह रहा है। केंद्र पर वजन मशीन आदि उपकरणों की कमी है। सीडीओ ने तत्काल उपकरण उपलब्ध कराने व बच्चों की साफ-सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत इस वर्ष कोई आवास स्वीकृत नहीं हुआ। मनरेगा में 224 जॉब कार्ड बने, 1889 मानव दिवस सृजन हुआ और 8 कार्य कराए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के 6 महिला समूहों में मिली राशि के उपयोग व आय वृद्धि की रिपोर्ट मांगी गई। पाया गया कि लाभ कुछ महिलाओं तक ही सीमित है, जिस पर नियम अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए।ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी विभागों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए।

ट्रैक्टर ट्राली चोरी के दो मामले सुलझे, पांच अभियुक्त गिरफ्तार, अवैध तमंचा बरामद

धनारी/संभल(सब का सपना):- संभल पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली चोरी के दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की दोनों ट्रालियां बरामद करने के साथ-साथ चोरी में प्रयुक्त ट्रैक्टर और एक अवैध तमंचा भी बरामद किया है। पहला मामला थाना धनारी क्षेत्र के गांव भिरावटी का है, जहां गजेन्द्र सिंह पुत्र हुकमी सिंह ने अपने घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने 27 नवंबर को अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार अभियुक्तों में पवन पुत्र जगपाल,फुलवारी सिंह पुत्र जगपाल सिंह,गंभीर सिंह पुत्र जगपाल सिंह,(तीनों निवासी मिलक शाकिन, थाना कैलादेवी)ओमप्रकाश पुत्र नत्थू (निवासी गुरैठा, थाना धनारी) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त चोरी की ट्राली को बेचने जा रहे थे। मौके से चोरी की ट्राली, चोरी में इस्तेमाल किया गया ट्रैक्टर और एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। दूसरा मामला थाना कैलादेवी क्षेत्र के गांव बागडपुर छोईया का है, जहां 14 नवंबर को सोमवीर पुत्र कुवंरपाल के घर के बाहर से ट्राली चोरी हो गई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में इस ट्राली को विसौली (बदायूं) में बेच देने की बात कबूल की।

उनकी निशानदेही पर सोमवीर की चोरी हुई ट्राली भी बरामद कर ली गई। पुलिस ने दोनों मामलों में मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तों पर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। संभल पुलिस की इस त्वरित सफलता से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जगी है।

गजरौला में कार और ट्रैक्टर की टक्कर, भीड़ ने कार सवारों को दौड़ाकर पीटा, वाहन पर लिखा था भाजपा नेता

अमरोहा: गजरौला हाईवे पर भाजपा ब्लॉक प्रमुख लिखी कार और ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई। इससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद जमा भीड़ ने कार में सवार लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। चार दिन पहले हुए हादसा का बृहस्पतिवार को वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। यह हादसा गजरौला में नेशनल हाईवे पर हुआ था। बताया जा रहा है हसनपुर के भाजपा ब्लॉक प्रमुख की कार एक शादी समारोह से लौट रही थी। आरोप है कि चालक ने कार को हाईवे पर गलत दिशा में मोड़ लिया जिससे कार सर्विस मार्ग पर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर कई टुकड़ों में बिखर गया। वहीं, कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने कार सवार लोगों को पकड़ लिया और उनके साथ जमकर मारपीट की। बीच हाईवे पर कार सवारों की पिटाई के वीडियो भी वायरल हुए हैं जिसमें उन्हें सड़क पर गिरा-गिराकर पीटा जा रहा है। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामले में ट्रैक्टर चालक की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुईं आठ वीडियो भाजपा ब्लाक प्रमुख लिखी कार और ट्रैक्टर में टक्कर के बाद हाईवे पर जो भी हुआ वह भीड़ में शामिल लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। इस दौरान लोगों ने कार सवार लोगों को दौड़ाकर पीटा। करीब आठ वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दीं।

जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार तेजी के साथ चल रहा SIR का कार्य, जनप्रतिनिधि भी निभा रहे अहम भूमिका

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देश अनुसार जनपद भर में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन नामावलियों का विशेष पुनरीक्षण का कार्य तेजी के साथ चल रहा है। जिसके लिए अमरोहा जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कार्य में और भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। जिनको पूर्ण करने के लिए बीएलओ एवं उनके सहायकों द्वारा जनपद भर में गांव-गांव जाकर पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। पुनरीक्षण के कार्य को पूर्ण करने के लिए संबंधित क्षेत्र के बीएलओ के साथ ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव सहित जनपद के अन्य कर्मचारी व जनप्रतिनिधि भी इस कार्य को उत्साह लग्न एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने में लगे हुए हैं। पुनरीक्षण का यह कार्य बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज्ड कर पूर्ण किया जा रहा है। इसी क्रम में हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंगरौली हत्या खेड़ा में मौके पर जाकर ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खड़कवंशी के द्वारा आम जनमानस को जागरुक करते हुए कहा गया कि सभी ग्रामवासी s.i.r. पुनरीक्षण मतदाता अभियान में बीएलओ का सहयोग करें और स्वयं भी उन्होंने फॉर्म भरने में मदद की। इस दौरान बीएलओ कांता रानी, ओम प्रकाश सिंह, मास्टर पूरन सिंह, शिक्षामित्र सतपाल सिंह प्रजापति, डोरी सिंह, प्रभु नेताजी, हरिश्चंद्र, अनिल राणा, ओम प्रकाश सिंह, मंगल सिंह, प्रेमवती, होशियारी आदि ग्राम वासी मौजूद रहे।

पुलिस इलेविन की टीम ने जुबिलेंट इलेविन को 32 रनों से दी शिकस्त

संविधान दिवस पर जुबिलेंट में हुआ मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन

एसपी अमित कुमार आनंद को मैन आफ द मैच का मिला खिताब

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- संविधान दिवस पर आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच में पुलिस इलेविन की टीम ने जुबिलेंट इलेविन टीम को 32 रनों की करारी शिकस्त दी। हालांकि दोनों की टीमें ऑल आउट रहीं। एसपी अमित कुमार आनंद को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। बता दें कि बुधवार की देर शाम जुबिलेंट के फुटबॉल मैदान में आयोजित 15 ओवर के मैत्री क्रिकेट मैच में एसपी अमित कुमार आनंद के नेतृत्व वाली पुलिस इलेविन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। पिच पर उतरे एसपी अमित कुमार आनंद ने दो चौक्के लगाकर 10 रनों का योगदान दिया लेकिन वह कैच आउट हो गए। एएसपी अखिलेश भदौरिया 16 रनों पर ही सिमट गए। सीओ अभिषेक कुमार मात्र दो रनों पर ही कैच आउट हो गए। पूरी टीम 67 रन बनाकर आउट हो गई।जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी जुबिलेंट इलेविन की टीम के कप्तान डा. सुजिंदर फोगाट दूसरी बॉल पर ही कैच आउट होकर पावेलियन को लौट गए। पुलिस इलेविन टीम की धुआंधार बॉलिंग एवं जबरदस्त फील्डिंग के चलते जुबिलेंट इलेविन की टीम 12 वें ओवर में ही मात्र 32 रन पर ऑल आउट हो गई। मैच की कमेंट्री अरुण प्रताप सिंह एवं तरुण धीमान ने संयुक्त रूप से की। जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा ने एसपी अमित कुमार आनंद को भारतीय संविधान के लेखक डा. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा भेंट की। एसपी ने संविधान दिवस पर जुबिलेंट द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन कराने के लिए प्रबंधन की प्रशंसा की। वहीं जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने अगला मैच भी शीघ्र ही कराने की बात कही। एसपी ने विजेता एवं उप विजेता टीम को स्वहस्ताक्षरित बैट भी वितरित किए। इस अवसर पर मंडी धनौरा की सीओ अंजलि कटारिया, इंस्पेक्टर मनोज कुमार,पीआरओ शौकिंद्र वालियान,विशाल गौरव, वीरेंद्र सिंह नेगी, पुनीत तिवारी, अमित पांडेय,सुनील ए सिंह, पुनीत गुप्ता, दिलीप पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश बिजली बिल राहत योजना 2025-26: बकाया उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने राज्य के लाखों घरेलू एवं वाणिज्यिक बिजली उपभोक्ताओं के लिए ह्लएकमुश्त समाधान योजना 2025-26ह्व की घोषणा की है। यह लाभकारी योजना 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। योजना के तहत पहली बार बकाया बिलों पर 100% ब्याज माफी के साथ-साथ मूलधन में भी भारी छूट दी जा रही है। इस योजना से उन उपभोक्ताओं को विशेष राहत मिलेगी जिनके ऊपर पुराने बिजली बिलों का बोझ लंबे समय से चला आ रहा है। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ दुकानदार, छोटे उद्योग, व्यावसायिक प्रतिष्ठान आदि भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, यह योजना पिछले वर्षों की तुलना में सबसे उदार है क्योंकि इसमें मूलधन में भी बड़ी रियायत दी जा रही है। अमरोहा जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जिले के सभी बकायादार उपभोक्ताओं से विशेष अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, जिले में हजारों उपभोक्ता ऐसे हैं जिनके बिजली कनेक्शन बकाया के कारण कटे हुए हैं या भारी ब्याज का बोझ है। इसी के साथी उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि निकटतम बिजली घर, सब-डिवीजन या डिवीजन कार्यालय में जाकर अपना बकाया बिल जमा करें और योजना का पूरा लाभ लें। इसी के साथ उपभोक्ता अपने क्षेत्र की विधुत सखी या CSC सेंटर से भी योजना हेतु पंजीकरण करवा सकते हैं। किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए कंट्रोल रूम नंबर 9193331320 पर संपर्क कर सकते हैं।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया सदर माल खाना का औचक निरीक्षण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के द्वारा तहसील रोड स्थित सदर माल खाना चंदौसी का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान मालखाने में रखे माल के रखरखाव को विशेष कर देखा और उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि माल का रख रखाव अच्छी तरह किया जाए और उन्होंने साफ सफाई कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि भवन की मरम्मत का भी कार्य किया जाए जिससे भवन अच्छा बना रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने देखा है एक कमरा अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा कब्जा किये हुए है उस कमरे को खाली कराने के लिए भी निर्देश दिए उन्होंने कहा कि कमरे

की साफ सफाई कराते हुए कमरे को मालखाने के उपयोग लाया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कचहरी का निरीक्षण किया उन्होंने कचहरी में साफ सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को देखा और सीसीटीवी कैमरा की गुणवत्ता को देखा उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे कचहरी के दोनों द्वार पर लगाया जाए जिससे सुरक्षा चाक चौबंद रहे। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखें किसी प्रकार की लापरवाही संज्ञान में ना आए। इस अवसर पर कोतवाली चंदौसी प्रभारी निरीक्षक दीपक चौधरी सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला प्रभारी के नेतृत्व में किसानों ने चलाया जन जागरण अभियान, सोपी नई जिम्मेदारिया

किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा :- कामेंद्र चौधरी

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा गुरुवार को तहसील संभल के अंतर्गत ग्राम - सैंडा उर्फ सेहरा में जिला प्रभारी सुभाष चाहल के नेतृत्व में जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक की अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा एवं संचालन प्रवेन्द्र यादव ने किया ! बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने किसानो की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण पर जोर दिया ! कहा कि समाज के विकास के लिए जरूरी है आपसी सहयोग और एकता ! यह भाव अंतर मन से होना चाहिए ! संगठन किसानो की विभिन्न समस्याओं को धरातल से उठाकर संसद तक समाधान करने के लिए प्रयासरत है ! किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

किया जाएगा ! जनसभा का उद्देश्य आम जनमानस की विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा, आम जनमानस को जागरूक करना एवं संगठन को मजबूती देने का है ! संगठन के जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने कहा कि किसानो की लड़ाई बड़े स्तर पर लड़ने का काम किया जाएगा ! विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर समाधान कराने का कार्य किया जाएगा ! बैठक में बिजली घर सैंडा से पहुंचे जे ई उग्रसेन यादव द्वारा बिजली बिल राहत योजना 2025 की विस्तृत जानकारी देकर किसानों को लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया ! साथ ही प्रथमा बैंक खिरनी से पहुंचे प्रबंधक दीपक कुमार द्वारा योजनाओं की तमाम जानकारियां किसानों को दी गई ! बी एल ओ सुरभि द्वारा एसआईआर की विस्तृत जानकारी देकर फॉर्म भरने को लेकर किसानों को जागरूक किया गया ! कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार करते हुए चौधरी ऋषिपाल सिंह को जिला संगठन मंत्री, सेवक सैनी को तहसील संरक्षक संभल, प्रवेन्द्र यादव को तहसील प्रभारी, अमानत अली को युवा तहसील प्रभारी, प्रिंस कुमार प्रजापति को ब्लॉक प्रभारी पवांसा, रामरहीस यादव को ग्राम महासचिव सैंडा, लवकुश चौधरी को ग्राम महासचिव ईसापुर, केशव यादव को ग्राम महासचिव सैंडा, अनवार को ग्राम संगठन मंत्री सारंगपुर नियुक्त किया गया ! जिला प्रभारी सुभाष चाहल द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना दी गई ! मुख्य रूप से राष्ट्रीय युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला प्रभारी सुभाष चाहल, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, गंगनानदगिरि महाराज, धीरेन्द्र त्यागी ब्लाक महासचिव, ब्लॉक अध्यक्ष सुफियान पाशा, निर्देश कुमार युवा जिला मीडिया प्रभारी, सतेन्द्र चौधरी, प्रवेन्द्र यादव ब्लॉक अध्यक्ष पवांसा, चौ. उदल सिंह, नितिन कुमार, अमानत अली, श्रीपाल यादव, लवकुश चौधरी, श्यामवीर यादव, हेमराज चौधरी, छत्रपाल यादव, दिनेश चौधरी, सेवक सैनी, बिट्टू चौधरी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन), अनवार अली, विवेक कुमार, यामीन मलिक, अरमान मलिक एवं महिला मोर्चा से ब्लॉक महासचिव ननीहा देवी, ब्लॉक प्रभारी प्रदेव देवी, निशा देवी ब्लॉक सचिव, दिलवरी देवी, मकोई देवी, पुष्पा देवी, कांता देवी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

मिशन शक्ति 5.0 : सम्भल में नारी शक्ति को मिला नया बल

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए शुरू किए गए ह्यमिशन शक्तिह्न अभियान के पांचवें चरण ने जनपद सम्भल में भी जोरदार शुरूआत की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में आज थाना क्षेत्रों में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। थाना परिसरों व गांव-कस्बों में आयोजित चौपालों में सैकड़ों महिलाएं और बालिकाएं शामिल हुईं। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना जैसी समस्याओं से निपटने के तरीके बताए और त्वरित मदद के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। मुख्य बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों और धार्मिक स्थलों पर स्टॉल लगाकर पम्पलेट वितरित किए गए। इन पम्पलेट्स में निम्नलिखित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान,तीन बाल भिक्षुक रेस्क्यू, लोगों से की गई खास अपील

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर जिले में भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने और जरूरतमंदों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में थाना AHT टीम ने चन्दौसी क्षेत्र में बड़े स्तर पर छापेमारी की। अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी AHT सत्य विजय सिंह ने किया। टीम में उपनिरीक्षक बाबू राम सैनी, का. नवीन कुमार, चालक का. मयंक व तेजपाल सिंह (PO संरक्षण अधिकारी जनपद

संभल), रैना शर्मा (HOD, NGO उम्मीद) एवं सहायक फील्ड कोऑर्डिनेटर सचिन कुमार शामिल रहे। टीम ने रेलवे स्टेशन चन्दौसी, रोडवेज बस अड्डा, मंदिर परिसर, चन्दौसी बाजार तथा अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान तीन बाल भिक्षुकों को रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति, जनपद संभल के समक्ष पेश किया गया, जहाँ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की गई। अभियान के साथ-साथ पुलिस और NGO की टीम ने आमजन से सीधी अपील की कि सड़क पर भिक्षा देने के बजाय ऐसे बच्चों या व्यक्तियों को पुनर्वास केंद्र तक पहुँचाने में सहयोग करें। टीम ने स्पष्ट किया कि बाल भिक्षावृत्ति कराना या करवाना दंडनीय अपराध है। लोगों को जागरूक करते हुए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर 112, 1076, 181, 1090, 1098 तथा 108 के बारे में विस्तार से बताया गया और सभी से अपील की गई कि मिलकर भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने में सहयोग करें। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और भिक्षावृत्ति में लिप्त गिरोहों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

गोया वर्ल्ड स्कूल के पांच मेधावी छात्रों का पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने किया सम्मान

यूपीएससी की तर्ज पर आयोजित मिनी परीक्षा में दिखाया दम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले के रामपुर जाट स्थित गोया वर्ल्ड स्कूल ने छात्रों में शुरू से ही सिविल सर्विसेज की तैयारी कराने की अनूठी पहल शुरू की है। इसी कड़ी में स्कूल ने कक्षा 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए यूपीएससी पैटर्न पर आधारित तीन चरण की मिनी यूपीएससी परीक्षा आयोजित की। इस परीक्षा में कुल 269 छात्र-छात्राओं ने प्रारंभिक परीक्षा (प्रिलिम्स) दी, जिसमें से 12 छात्र मुख्य परीक्षा (मेंस) के लिए चुने गए। अंतिम चरण यानी इंटरव्यू में 5

छात्रों ने सफलता हासिल की पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार ने पुलिस कार्यालय बहजोई में इन पांचों मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। एसपी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश गर्ग एवं प्रधानाचार्या स्वाति गुप्ता भी उपस्थित रहीं।

श्री गर्ग ने बताया कि स्कूल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी आईएएस-आईपीएस बनने का सपना शुरू से ही साकार करने की दिशा में तैयार करना है। सम्मानित होने वाले पांचों छात्रों ने एसपी और स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें और मेहनत करने की प्रेरणा देगा।

जिला पर्यावरण समिति जिला वृक्षारोपण समिति तथा जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति तथा जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव द्वारा बैठक से संबंधित विभिन्न एजेण्डा बिन्दुओं से मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया। बैठक के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, ई-वेस्ट प्रबंधन आदि पर चर्चा की गयी। वृक्षारोपण पर चर्चा करते हुए वर्ष 2025-26 में कराये गये वृक्षारोपण

के जियो टैग के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों का अभी जियो टैग बाकी है वह शीघ्र ही जियो टैग करना सुनिश्चित करें। वृक्षारोपण का रखरखाव करना सभी की जिम्मेदारी है। इसके उपरांत नमामि गंगे के अन्तर्गत गंगा ग्रामों के कार्यों की प्रगति, जिला सीमा के भीतर नदी में तरल और ठोस अपशिष्ट लाने वाले नालों की पहचान, अर्थ गंगा, प्राकृतिक/जैविक खेती को बढ़ावा, घाटों का रखरखाव, कैच द रैन पर भी चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायती राज अधिकारी को आर आर सी सेंटर संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ओडीएफ प्लस को लेकर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, डिप्टी कलक्टर वंदना मिश्रा,जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खडगवंशी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक साल में बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प, प्रयत्न संस्था ने निकाला मशाल जुलूस

सम्भल (सब का सपना):- गैरसरकारी संगठन प्रयत्न संस्था ने आज बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशाल मशाल जुलूस निकालकर पूरे जिले को संदेश दिया कि अब बाल विवाह करने वालों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। संस्था ने घोषणा की है कि भारत सरकार के 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर वह सम्भल जिले को वर्ष 2026 के अंत तक पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बना देगी। जिला मुख्यालय से शुरू हुए मशाल जुलूस

में सैकड़ों बच्चे, युवा, महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। जुलूस के दौरान बाल विवाह नहीं करेंगे, बेटियों को पढ़ाएंगे-बढ़ाएंगे जैसे नारे गूंजते रहे। जुलूस के समापन पर आयोजित सभा में प्रयत्न संस्था के समन्वयक गौरीशंकर चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सबसे पहले हमें अपनी बेटियों को सदियों पुरानी कुप्रथा से मुक्त करना होगा। यह 100 दिन का अभियान देश की दिशा बदल देगा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण और जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार की मौजूदगी में प्रयत्न संस्था ने बताया कि पिछले एक साल में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क के साथ मिलकर देश भर में एक लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। सम्भल में भी प्रशासन के सहयोग से संस्था ने दर्जनों बाल विवाह रुकवाए हैं।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने जिला एवं सत्र न्यायालय सम्भल के चंदौसी न्यायालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने परिसर में मौजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और तैनात जवानों को हर हाल में मुस्तैद रहने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने न्यायालय के सभी प्रवेश द्वारों, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, न्यायिक अभिरक्षा वाहन तथा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

की गहन समीक्षा की। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत कर हर आने-जाने वाले व्यक्ति की पूरी तरह चेकिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया ने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखे तो तुरंत कार्रवाई की जाए और अपने निर्धारित स्थान पर पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने भी जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि न्यायालय जैसे संवेदनशील स्थल पर सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोनों अधिकारियों ने परिसर में लगे सभी सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली की व्यक्तिगत रूप से जाँच की और संबंधित अधिकारियों को इनके नियमित रखरखाव व मॉनिटरिंग के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अब और मजबूत की जाएगी तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सर्पदंश मृत्यु मुक्त भारत बनाने के लिए गांव-गांव चल रहा जागरूकता अभियान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश का जिला संभल सर्पदंश से होने वाली मौतों को शून्य करने के राष्ट्रीय अभियान में सबसे आगे चल रहा है। ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ टीम और स्नेक रेस्क्यू टीम के सदस्य एवं प्रसिद्ध स्नेक सेवर जाबुल हसन की अगुवाई में जिले के हर गांव में निशुल्क जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को थाना बहजोई के श्रीमती मनोरमा राघव इंटर कॉलेज पंवासा में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को सांपों की प्रजातियों, सर्पदंश के प्राथमिक उपचार और

गलत धारणाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जाबुल हसन ने बताया कि ठंड के मौसम में सांप कम निकलते हैं, इसलिए नवंबर से फरवरी तक के इन तीन-चार महीनों में बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के सहयोग से डीएम एवं एसपी की अनुमति से चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य झाड़-फूंक और अंधविश्वास के चक्कर में होने वाली मौतों को रोकना है। देश में हर साल सर्पदंश से 50,से 60,000 से अधिक लोगों की जान जाती है, जिनमें अधिकांश मौतें समय पर सही इलाज न मिलने और तांत्रिक-ओझा के पास जाने से होती हैं। जाबुल हसन ने गर्व के साथ बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में सर्पदंश मुक्त भारत अभियान में सबसे पहले और सबसे सक्रिय भागीदारी जिला संभल की है।

ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ टीम के जागरूकता कार्य में भी संभल जिला पूरे प्रदेश में अव्वल है। अभियान के तहत अब तक जिले के कई स्कूलों, मदरसों और गांवों में कार्यक्रम हो चुके हैं और आने वाले दिनों में शेष सभी गांवों को कवर किया जाएगा। यह अभियान पूरी तरह निशुल्क है और इसमें स्थानीय प्रशासन, शिक्षण संस्थान और ग्रामवासी भरपूर सहयोग कर रहे हैं। संभल जिला सर्पदंश मुक्त भारत की दिशा में एक मिसाल बनता दिख रहा है।

ग्राम आटा के पीएम श्री विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- बदलते मौसम में बच्चों को होने वाली सामान्य बीमारियों से बचाव और उपचार के लिए ग्राम आटा स्थित पीएम श्री विद्यालय में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हर माह की भांति इस बार भी सम्राट हॉस्पिटल, चंदौसी के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शेखर वार्ष्णेय द्वारा लगाया गया। शिविर में डॉ. शेखर वार्ष्णेय ने बच्चों को मौसम परिवर्तन से होने वाली सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी तथा सांस संबंधी तकलीफों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इन बीमारियों से बचने के आसान उपाय बताए और बच्चों के सवालों का भी धैर्यपूर्वक जवाब दिया। इसके साथ

ही डॉक्टर साहब ने सभी उपस्थित बच्चों व स्टाफ सदस्यों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार मुफ्त दवाइयां भी वितरित कीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य व सभी शिक्षकों ने शिविर में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। बच्चों में भी इस स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार ने डॉ. शेखर वार्ष्णेय एवं सम्राट हॉस्पिटल का आभार व्यक्त किया तथा हर माह की तरह इस सामाजिक पहल को जारी रखने की सराहना की।

दिल्ली विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति की पहल छात्रों को जागरूक करेंगे '

नशा मुक्ति प्रहरी

दक्षिणी दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय ने कॉलेजों में नशा मुक्ति के लिए 'नशा मुक्ति प्रहरी' नामक एक पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य छात्रों को नशीली दवाओं के खतरों से अवगत कराना और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। 'नशा मुक्ति प्रहरि' छात्रों को परामर्श और सहायता प्रदान करेंगे, जिससे युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाया जा सके। 'नशे को कहो ना-जीवन को हां', 'हम सबका एक ही नारा-नशामुक्त हो देश हमारा...'। कैंपस में ये संदेश युवा छात्रों तक पहुंचाएंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षण संस्थानों में कैंपस को नशामुक्त बनाने की दिशा में कॉलेजों में ये पहल की जाएगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से जारी निर्देशों के बाद कॉलेजों ने जागरूकता को लेकर खास योजना बनाई है। इसके तहत तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए छात्रों को जागरूक करने को ह्यनशा मुक्ति प्रहरीह्ल नियुक्त किए जाएंगे। युवाओं को नशे के प्रति सतर्क बनाने के लिए परिसर में जागरूकता अभियान और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कार्यशाला, विशेष सत्र, अतिथि व्याख्यान और संवाद कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी और इससे बचाव के उपाय सुझाए जाएंगे। स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग, भाषण आदि प्रतियोगिताओं के जरिए भी जागरूकता अभियान चलेगा। इन कार्यक्रमों की योजना बनाने से लेकर आयोजन तक में प्रहरी मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवकों को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। छात्रों के बीच रहकर चलाएंगे मुहिम कालेजों में तैनात किए गए प्रहरियों की जिम्मेदारी होगी कि वे कैंपस में जागरूकता को काम करें और छात्रों को नशे के बुरे प्रभावों के बारे में जानकारी देते रहे। इसके लिए वे छात्रों के बीच रहकर ऐसे छात्रों का पता लगाएंगे जिनका रुझान नशे की ओर देखा जा रहा है। उनकी आदत छुड़ाने और काउंसलिंग के लिए व्यक्तिगत स्तर पर काम करेंगे।

पिछली सरकारों का नारा था गरीब को गरीब रहने दो CM रेखा गुप्ता ने कहा अब हर झुग्गीवासी का होगा पक्का मकान

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका नारा था 'गरीब को गरीब रहने दो'। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार हर झुग्गीवासी को पक्का मकान उपलब्ध कराएगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और उन्हें बेहतर भविष्य मिलेगा। सरकार गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया के बी-ब्लाक में आयोजित झुग्गीझ्रझोपड़ी स्वाभिमान सभा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि पिछली सरकारें वर्षों तक इन बस्तियों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करती रहीं, पर मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय, पार्क, सड़क, नाली, पक्के मकान कभी उपलब्ध नहीं कराए गए। जबकि, भाजपा विकास की बात करती है। हमने झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए अलग से 700 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि लगभग 15 वर्षों से बंद पड़ी नए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को पुनः शुरू किया जाएगा, जिसमें गलत लाभार्थियों के कार्ड रद्द कर वास्तविक जरूरतमंदों के लिए नए कार्ड बनाए जाएंगे। बंद पड़ी पेंशन योजनाओं को भी दोबारा चालू किया जा रहा है। पिछली सरकारों का नारा था ह्यगरीब को गरीब रहने दो' बुधवार को आयोजित झुग्गीझ्र झोपड़ी स्वाभिमान सभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों का नारा था कि ह्यगरीब को गरीब रहने दो और उसे डराते रहोह्ल। पिछली सरकारों ने करोड़ों रुपये लगाकर 50 हजार फ्लैट बनाए, लेकिन उन्हें गरीबों को दिया नहीं, जिससे वे टूटकर जर्जर हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीबों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर ही देशभर में शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, पक्के मकान, मुफ्त राशन और कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, जिनका लाभ आज करोड़ों गरीबों को मिल रहा है। हर झुग्गीवासी पक्के मकान का हकदार मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली की हर झुग्गी का निवासी अब पक्के मकान का हकदार है। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारों ने सालों तक तैयार पड़े सरकारी फ्लैटों को गरीबों को न सौंपकर उन्हें जर्जर होने दिया, जबकि आज उनकी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर गरीब परिवार को सम्मान के साथ रहने के लिए पक्का घर मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद राशन कार्ड, पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सभी रुकी हुई प्रक्रियाएं फिर से सक्रिय की गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से 30 नवंबर को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट डालने की अपील की। सभा में झुग्गीवासियों, स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने फाइल की 1,077 पेज की चार्जशीट

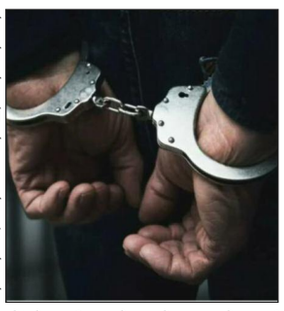

नई दिल्ली : दिल्ली में चैतन्यानंद पर 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पुलिस ने इस मामले में 1077 पेज की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें विस्तृत जांच और सबूत शामिल हैं। चार्जशीट में पीड़ितों के बयान और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य दर्ज हैं। यह मामला अदालत में विचारधीन है। नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने वसंत कुंज में श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड रिसर्च के पूर्व मैनेजर चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ पटियाला हाउस ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में 1,077 पेज की डिटेल्ड चार्जशीट फाइल की है। चैतन्यानंद पर इंस्टीट्यूट की 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, चैतन्यानंद पर इंडियन पीनल कोड (क्ढउ) की अलग-अलग धाराओं के तहत यौन उत्पीड़न, महिला की इज्जत को ठेस पहुंचाना, झूठे सबूत देना और क्रिमिनल धमकी देने का आरोप है। चार्जशीट 43 गवाहों के बयानों और टेक्निकल सबूतों पर आधारित है। चार्जशीट में तीन और महिलाओं, भावना कपिल, श्वेता और काजल कपिल के भी नाम हैं, जिन पर आरोप है कि उन्होंने पीड़ितों पर चैतन्यानंद की मांगें मानने के लिए दबाव डाला।

एक और आरोपी, हरीश सिंह कपकोटी पर एक गवाह के पिता को धमकाने और चैतन्यानंद को भागने में मदद करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, चैतन्यानंद को 28 सितंबर को आगरा के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था और वह अभी तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में है। संस्थान चलाने वाले धार्मिक संगठन की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ ड्20 करोड़ के फंड की हेराफेरी का मामला भी दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट के पूर्व प्रबंधक चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप में 1077 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है।

उस पर 17 छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार करने, गवाहों को धमकाने और सबूतों को नष्ट करने का आरोप है। पुलिस ने 43 गवाहों के बयान और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर यह आरोपपत्र दाखिल किया है। चैतन्यानंद फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

दिल्ली-NCR में जहरीली हवा का सांसों पर खतरा बरकरार देखिए अपने शहर का ताजा अदक

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो गया है। हालांकि, दोपहर में एक्यूआई में थोड़ी कमी आई है, लेकिन स्थिति अभी भी चिंताजनक है। तापमान में गिरावट जारी है।

आईआईटी कानपुर और ऐरावत रिसर्च फाउंडेशन वायु गुणवत्ता सुधार पर कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें कई विशेषज्ञ भाग लेंगे। नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा में सांस लेना बहुत मुश्किल है। आज गुरुवार सुबह 14वें दिन भी एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दोपहर के समय एक्यूआई भले ही थोड़ा कम हुआ लेकिन, स्थिति अभी भी खराब बनी हुई है। वेबसाइट ं९.ल्ल के अनुसार, गुरुवार को दोपहर डेढ़ बजे के करीब दिल्ली का एक्यूआई 250 से नीचे दर्ज किया गया, जबकि सुबह के समय एक्यूआई 600 से ज्यादा दर्ज किया गया था। 200 से ऊपर का एक्यूआई खराब श्रेणी में आता है। वहीं, दूसरी ओर तापमान में गिरावट का दौर जारी। आज न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ 8.3 डिग्री सेल्सियस। अधिकतम 27 से 28 डिग्री के आसपास रहने की संभावना। वायु गुणवत्ता में सुधार पर कार्यशाला आईआईटी कानपुर और ऐरावत रिसर्च फाउंडेशन की ओर से "शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए एआई और कम लागत वाले सेंसर का लाभ उठाना" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।
आईआईटी कानपुर के अलावा आईआईटी दिल्ली सहित कई अन्य विशेषज्ञ भी भाग लेंगे।

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाला एक व्यक्ति से 55 हजार में तय करता था सौदा

पूर्वी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली में सरकारी अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगारों से ठगी करने वाले अमर चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने विश्वास नगर में ऑफिस खोला हुआ था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी से उसे गिरफ्तार किया। उसके साथी की तलाश जारी है। पूर्वी दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगवाने का झांसा देकर बेरोजगारों से ठगी करने वाले ठग को फर्श बाजार थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठग की पहचान अमर चौधरी के रूप मे हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बेरोजगारों का विश्वास जीतने के लिए एक ऑफिस भी खोला हुआ था। एक व्यक्ति से नौकरी लगवाने के 55 हजार रुपये वसूलता था। पुलिस इसका रिकॉर्ड खंगाल कर पता लगा रही है, इसने कितने लोगों से ठगी की है। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि रोहितणी निवासी प्रेम सिंह नाम के एक व्यक्ति ने फर्श बाजार थाने में ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उसे नौकरी की जरूरत थी। वह विश्वास नगर में एक ऑफिस में गया, जहां उसे अमर चौधरी व सोनू नाम के दो लोग मिले। उन्होंने पीड़ित से कहा कि वह इंफ्लुएंसर हैं। नौकरी लगवाने के लिए दोनों ने पीड़ित से 55 हजार रुपये वसूल लिए। आरोप है जब कई दिनों तक नौकरी नहीं लगी तो उसने अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि आरोपियों ने उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया। फर्श बाजार थानाध्यक्ष अजय करण शर्मा के नेतृत्व में एक टीम बनाई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिए पुलिस ने आरोपी को विश्वास नगर से गिरफ्तार कर लिया। इसके दोस्त की तलाश में छापामारी चल रही है।

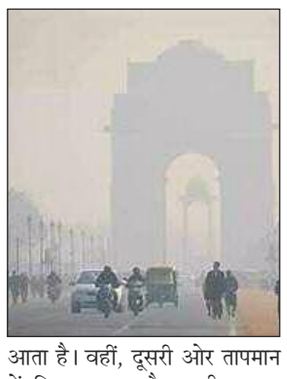

दिल्ली में मंडोली जेल के बाहर युवक को गोली मारने वाला बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली में मंडोली जेल के बाहर रंजिश के चलते एक युवक को गोली मारने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हथियार और बाइक बरामद की है। आरोपी अंकुश कल्याणपुरी का निवासी है और उस पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। उसने बताया कि उसकी नितिन पहलवान से रंजिश है और उसने सोमवीर को गोली मारी थी, जो नितिन के गिरोह से है। पूर्वी दिल्ली में मंडोली जेल के बाहर रंजिश में एक युवक को गोली मारने वाले बदमाश को पूर्वी जिले की नारकोटिक्स टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हथियार व बाइक के साथ इसके नाबालिग साथी को भी दबोचा है। पुलिस के अनुसार, बालिक बदमाश की पहचान कल्याणपुरी निवासी अंकुश के रूप में हुई है। पकड़े गए बदमाश पर पहले से हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में चार आपराधिक केस दर्ज हैं। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 24 नवंबर को सूचना मिली थी कि एक पार्क में गोली चली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को शिकायतकर्ता मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह पार्क में अपनी मां व भाई के साथ बैठा हुआ था। तभी अंकुश नाम का बदमाश आया और गोली चला दी। गनीमत रही गोली किसी को लगी नहीं। वारदात के बाद वह पार्क के बाहर बाइक लेकर खड़े अपने नाबालिग साथी के साथ भाग गया। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज किया। नारकोटिक्स के इंचार्ज अरुण कुमार ने एसआई राहुल मोंगा व कॉन्स्टेबल कौशल के साथ टीम बनाई। पुलिस को जांच में पता चला कि अंकुश ने इस वारदात के बाद मंडोली जेल के बाहर कल्याणपुरी के रहने वाले सोमवीर को गोली मारी है। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के जरिए आरोपी को कल्याणपुरी से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद इसके नाबालिग साथी को पकड़ा। बदमाश ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि कल्याणपुरी के घोषित बदमाश नितिन पहलवान से उसकी रंजिश चल रही है। सोमवीर, नितिन पहलवान गिरोह से है। वह उसकी हत्या करने के लिए गया था, गोली कमर में लगने से वह बच गया।

साहब क्या यहां एक दिन भी गुजार सकते हैं आप अफसरों का रवैया देख दिल्ली के लोगों का छलका दर्द

पूर्वी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली के खजूरी क्षेत्र में ठल्रअक की गलती से लोग नारकीय जीवन जी रहे हैं। ठल्रअक ने नाला बनाने के लिए सिंचाई विभाग को 19.75 करोड़ रुपये दिए, पर सात महीने बाद भी टेंडर नहीं निकला। सड़कों और गलियों में नाले का पानी भरा है, जिससे लोग परेशान हैं। सिंचाई विभाग जल्द ही स्थायी नाला बनाने की बात कर रहा है। पूर्वी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के खजूरी क्षेत्र की ऐसी विडंबना होगी यहां रहने वाले स्थानीय लोगों ने कभी सोचा नहीं। एनएचएआई की एक गलती की वजह से यहां के लोग बदतर जीवन जी रहे हैं। क्षेत्र की सड़कों व गलियों में एक साल से नाले का पानी भरा हुआ है। खुला नाला बनाने के लिए एनएचएआई ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को 19.75 करोड़ रुपये दे भी दिए। फंड मिलने के सात माह होने के बाद भी सिंचाई विभाग नाले के निर्माण कार्य के लिए टेंडर नहीं निकाल सका। सिंचाई विभाग के इस रवैये से लोगों में गुस्सा है। वह अधिकारियों से सवाल पूछ रहे हैं कि क्या वह एक दिन यहां गुजार सकते हैं। अगर नहीं गुजार सकते तो सोचे यहां के लोग किस हालात में जी रहे हैं। गंदे पानी के बीच चल रहे हैं। खजूरी खास थाने के पास सड़कों से पानी काफी उतर गया है। लेकिन पूरी तरह से पानी हटा नहीं है। सड़क पर कीचड़ जमा है। श्रीराम कॉलोनी की गलियों में लबालब पानी भरा हुआ है। जिस वक्त सिंचाई विभाग को नाला बनाने का फंड मिला था तब यहां के लोगों को लगा था कि कुछ माह में नाला बन जाएगा और उनका जीवन कुछ बेहतर होगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले के पानी की निकासी अभी तक सूचारू नहीं हुई है। सड़कों व गलियों में पानी पहले की तरह भरा हुआ है। अधिकारियों के पास जाते हैं तो वह कोई नया बहाना बनाने लगते हैं। कहते हैं कि जल्द ही टेंडर हो जाएगा, लेकिन फिर उसमें कोई तकनीकी समस्या बता देते हैं। इस मामले में उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी के कार्यालय ने बताया कि एनएचएआई ने सिंचाई विभाग को बिजली की लाइन हटाने के लिए पांच करोड़ रुपये अलग से दिए हैं। अब यह सिंचाई विभाग पर निर्भर करता है तो कितनी जल्दी काम को करेगा। पहले खजूरी में सिंचाई विभाग का खुला नाला था। तब जलभराव नहीं होता था। जब से एनएचएआई ने इस नाले के 1200 मीटर का हिस्से को अंडरग्राउंड कर दिया, जिसकी बनावट में खामी थी। तब से खजूरी खास थाने के पास डीडीए की सड़कों व श्रीराम कॉलोनी क्षेत्र में पानी भर रहा है। सिंचाई विभाग ने एक अस्थायी नाला खोदा है, लेकिन उससे कोई समाधान नहीं निकल पा रहा है।

सिंचाई विभाग ने अस्थायी नाला बना दिया है। स्थायी नाला बनाने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

1984 सिख दंगों के दोषी बलवान खोखर ने मांगी 21 दिन की पैरोल, हाई कोर्ट ने फैसला टाला

दिल्ली हाई कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के दोषी बलवान खोखर की पैरोल याचिका पर दिल्ली सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। खोखर ने सामाजिक रिश्ते सुधारने के लिए पैरोल पर रिहाई की मांग की है, जिसे जेल अधिकारियों ने खारिज कर दिया था। अदालत ने सुनवाई 5 दिसंबर तक टाल दी है। नई दिल्ली। गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और जेल अधिकारियों को 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी और उम्रकैद की सजा पाए पूर्व कांग्रेस पार्षद बलवान खोखर की याचिका पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। खोखर ने सामाजिक रिश्ते फिर से बनाने के लिए पैरोल पर जेल से रिहा करने की मांग की है। जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच ने सुनवाई 5 दिसंबर तक टाल दी, और दिल्ली सरकार और जेल अधिकारियों को जवाब दाखिल करने का समय दिया। कोर्ट ने पहले सरकार और जेल अधिकारियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए एक नोटिस जारी किया था। दोषी बलवान ने जेल अधिकारियों के 4 सितंबर के उस आदेश को रद्द करने की मांग की है, जिसमें उसकी पैरोल अर्जी खारिज कर दी गई थी, और उसकी रिहाई से इनकार को सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए खतरा बताया था। हालांकि, याचिका में, बलवान ने अपने परिवार के सदस्यों से फिर से मिलने और सामाजिक रिश्ते फिर से बनाने के लिए 21 दिन की पैरोल की मांग की है। खोखर को चार अन्य लोगों के साथ 2013 में एक ट्रायल कोर्ट ने हत्या और दंगे के लिए दोषी ठहराया था।

गर्लफ्रेंड नहीं, आतंकी मुजम्मिल की पत्नी है डॉ. शाहीन; इस मस्जिद में हुआ था निकाह

नई दिल्ली : दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट मामले में नया खुलासा हुआ है। डॉ. शाहीन, आतंकी मुजम्मिल की पत्नी है, गर्लफ्रेंड नहीं। उनका निकाह अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक मस्जिद में हुआ था। मुजम्मिल पहले आतंकी संगठन अंसार गजवत उल हिंद से जुड़ा था। 2022 में श्रीनगर में आतंकियों की एक बैठक हुई, जहां से इस पूरे मॉड्यूल की शुरूआत हुई। मुजम्मिल ने यूनिवर्सिटी को आतंकी गतिविधियों का केंद्र बनाया था। ऊँ इ”२३ 2025 राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास हुए आतंकी विस्फोट को लेकर अब तक कई बड़े खुलासे हो चुके हैं। अब आतंकी मुजम्मिल को लेकर एक हैरान करने वाला सच सामने आया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. शाहीन मुजम्मिल अहमद गनई की गर्लफ्रेंड नहीं, बल्कि उसकी पत्नी है। मुजम्मिल ने कथित तौर पर दावा किया कि वे एक कपल थे और सितंबर 2023 में अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक मस्जिद में उनका 'निकाह' हुआ था। शरिया कानून के मुताबिक, निकाह के लिए 5,000-6,000 रुपये के 'मेहर' पर सहमति बनी थी। फरवरी 2022 में श्रीनगर में आतंकियों ने की थी बैठक उमर व अदील पहले से एक-दूसरे को जानते थे, क्योंकि अदील, उमर का जूनियर था। मुजम्मिल, डॉ. शाहीन से प्यार करता था। मुजम्मिल की मुलाकात शाहीन से अल-फलाह यूनिवर्सिटी में ही हुई थी। मुजम्मिल व मुफ्ती इरफान की पहली मुलाकात जम्मू-कश्मीर में एक बुजुर्ग महिला का इलाज करने के दौरान एक घर में हुई थी।

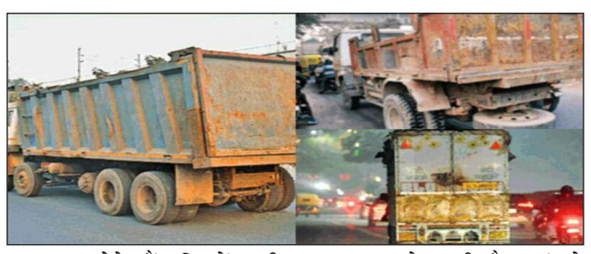

दिल्ली में बिना रिफ्लेक्टर और बैकलाइट के सड़कों पर फर्राटा भर रहे वाहन, कोहरे में बढ़ रहे हादसों के आंकड़े गंभीर

दिल्ली में कोहरे के कारण सड़कों पर बिना रिफ्लेक्टर और बैकलाइट वाले वाहनों से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। दृश्यता कम होने के कारण ये वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे हादसों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह स्थिति गंभीर है और अधिकारियों को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते प्रदूषण व कोहरे के बीच सड़कों पर दौड़ते व्यावसायिक वाहन और ट्रैक्टर-ट्रालियां बड़े हादसों का कारण बन रहे हैं। परिवहन विभाग और दिल्ली यातायात पुलिस लगातार ऐसे वाहनों की चेकिंग कर चालान काटती है, लेकिन इसके बावजूद बैक लाइट और रिफ्लेक्टर न लगाने की प्रवृत्ति थमने का नाम नहीं ले रही। विशेषज्ञों के अनुसार कोहरे में दृश्यता कम होने के कारण पीछे से आने वाले वाहन इन गाड़ियों को देर से पहचानते हैं, जिस कारण उनसे टकराने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली में इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक बिना रिफ्लेक्टर के चलने वाले वाहनों के 8754 चालान काटे गए। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 8319 चालकों ने अब तक अपना चालान भी भरा ही नहीं है, जिससे इन नियम उल्लंघनकताओं पर सख्ती की जरूरत है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कई चालक फिटनेस टेस्ट के बिना ही पुराने वाहन सड़क पर उतार देते हैं, जिनमें सही बैकलाइट, ब्रेक लाइट और रिफ्लेक्टर तक नहीं होता। ऐसे वाहनों की हालत कोहरे के मौसम में और खतरनाक हो जाती है। आंकड़े दर्शाते गंभीरता हादसों के आंकड़े भी स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। परिवहन विभाग के अनुसार, इस वर्ष अब तक 73 सड़क हादसों में बिना रिफ्लेक्टर वाले भारी वाहनों की वजह से 76 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकांश मामलों में घना कोहरा रात में सड़कों पर व्यावसायिक वाहनों की सख्या बढ़ती है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना फिटनेस, रिफ्लेक्टर व बैकलाइट के वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। कोहरा बढ़ने के साथ ऐसे वाहनों से हादसों का खतरा रहता है। विभाग ने कमर कस ली है और खासकर उन मार्गों पर पुलिसकर्मियो की तैनाती बढ़ा दी गई है, जहां अकसर ऐसे हादसे सामने आते है। सत्यवीर कटारा, एडिशनल सीपी, यातायात और पीछे से आने वाले वाहनों को समय रहते पता न चल पाना मुख्य वजह है। कई हादसों में दोपहिया वाहन चालक और पैदल यात्री इनका शिकार बने हैं। वरिष्ठ यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार सर्दी बढ़ने के साथ कोहरा भी गहराएगा। ऐसे में इन वाहनों पर निगरानी और सख्ती तेज कर दी गई है। रात में वाहनों की विशेष चेकिंग की जा रही है और बैकलाइट या रिफ्लेक्टर न मिलने पर मौके पर चालान किया जा रहा है। फिटनेस टेस्ट में अनियमितता मिलने पर भी वाहनों को सीज किया जा रहा है। वहीं नियम का पालन न करने वाले चालक व वाहन मालिक पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मानवाधिकार समूहों ने की ट्रंप प्रशासन की आलोचना

बैंकॉक, एजेंसी। मानवाधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन के म्यांमार के नागरिकों के लिए निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा समाप्त करने के फैसले की आलोचना की है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि म्यांमार में शासन और स्थिरता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सैन्य सरकार मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है तथा सफल युद्धविराम समझौते हुए हैं। इस आधार पर उन्होंने दावा किया कि नागरिकों के लिए अपने देश लौटना सुरक्षित है। हालांकि, सैन्य प्रमुख मिन आंग हलाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ किया था और सू ची अभी जेल में हैं।

अफगानों की वापसी से आर्थिक संकट की चेतावनी

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने अफगान लोगों, विशेष रूप से निर्वासित प्रवासियों की आर्थिक संकट पर एक नई रिपोर्ट में चिंता जताई, पड़ोसी देशों से 23 लाख अफगान प्रवासियों की वापसी ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। स्पष्ट है कि हमें ऐसे समाधानों की जरूरत है जो सहयोगात्मक, क्षेत्र-आधारित और समुदायों में निहित हों।

नाइजीरिया : केब्बी से किडनैप की गई सभी 24 स्कूली लड़कियों को बचाया

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सोमवार (17 नवंबर) तड़के हथियारबंद हमलावरों ने गर्ल्स स्कूल पर हमला कर उप-प्रधानाचार्य की हत्या कर दी और 24 छात्राओं का अपहरण कर लिया। जिसके बाद अब नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार (25 नवंबर) को बताया कि स्कूल से हथियारबंद हमलावरों ने जिन 24 स्कूली लड़कियों को किडनैप किया था, उन सभी को बचा लिया गया है। लड़कियों को 17 नवंबर को किडनैप किया गया था, और उस समय पुलिस ने कहा था कि 25 को ले जाया गया है, लेकिन मंगलवार को एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि किडनैप की गई सभी 24 लड़कियों को बचा लिया गया है। हालांकि बचाव अभियान के बारे में कोई अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। बता दें कि केब्बी में हुआ हमला नाइजीरिया में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर किडनैपिंग के मामलों में से एक था।

पेरिस : लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी की है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

सीरिया : हजारों अलावी लोगों ने सरकार के भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलवार को देश के मध्य और तटीय इलाकों में सरकार द्वारा कथित भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी विपक्षी निगरानी समूह ने दी, जबकि सरकारी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की रक्षा की। मंगलवार का प्रदर्शन लताकिया, टार्टस और केंद्रीय शहर होम्स सहित 42 स्थानों पर हुआ। यह विरोध उस घटना के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक बेदुईन दंपति की हत्या के बाद होम्स में बेदुईन समुदाय के लोगों ने अलावी बहुल इलाके पर हमला कर दिया था। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति बशर अल-असद को इस्लामी समूह 'हयात तहरीर अल-शाम' के नेतृत्व वाले विद्रोहियों द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में कई बार सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। असद, जो स्वयं अलावी समुदाय से हैं, रूस भाग गए थे।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र का नया प्रमुख? कई बड़े नाम हैं दावेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नए महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद बेहद अहम होता है। ऐसे में कई बड़े नाम इस पद की रेस में शामिल हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव होता है और इसका क्या पूरी प्रक्रिया होती है?

कब शुरू होगी प्रक्रिया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से मंगलवार से शुरू हो गई है। मंगलवार को 15 सदस्यों वाली संयुक्त सुरक्षा परिषद और 193 देशों की महासभा के अध्यक्ष ने एक संयुक्त पत्र जारी किया है। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों देशों से अगले महासचिव के लिए नाम मांगे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का उम्मीदवार संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश का होना चाहिए। आमतौर पर यह पद क्षेत्रवार बदलता रहता है। मतलब मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस साल 2016 में चुने गए थे और वे पुर्तगाल यानी पूर्वी यूरोप के उम्मीदवार थे। अब यह पद किसी लैटिन अमेरिकी नेता को दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राजनयिक अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों के नाम दे सकते हैं।

क्या है चुनाव की प्रक्रिया : नए महासचिव की चुनाव प्रक्रिया कई महीनों तक चलेगी, जिसमें कई राउंड की वोटिंग होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगले साल के आखिर में 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए 193 सदस्यों वाली महासभा को आधिकारिक तौर पर एक उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद एक गुप्त मतदान करेगी, जिसे स्ट्रॉ पोल कहा जाता है। स्ट्रॉ पोल में हर उम्मीदवार के लिए काउंसिल मेंबर को ये विकल्प दिए जाते हैं: प्रेरित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं। आखिर में, सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस - को एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत होना होगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रॉ पोल में स्थायी सदस्य देशों के लिए के लिए और 10 चुने हुए सदस्यों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र होते हैं। साल 2016 में जब गुटेरेस का चुनाव किया गया था तो सुरक्षा परिषद को सहमति पर पहुंचने के लिए छह बार स्ट्रॉ पोल कराया गया था। स्टॉ पोल के बाद सुरक्षा परिषद बंद दरवाजे के पीछे एक प्रस्ताव पास कर नए महासचिव के नाम पर मुहर लगाती है। प्रस्ताव को पारित होने के लिए पक्ष में नौ वोट और किसी वीटो की जरूरत नहीं होती। कौन बन सकता है अगला यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बनने की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि कुछ नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है, जो निम्न हैं- मिशेल बैचलेट-चिली: लैटिन अमेरिकी देश चिली की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिस ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि बैचलेट चिली की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और वे दक्षिण अमेरिकी देशों के अध्यक्ष पद पर भी रह चुकी हैं। बैचलेट साल 2018-2022 के बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त और उससे पहले यूएन वुमन की कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। रेबेका ग्रिनस्पान-कोस्टा रिका: कोस्टा रिका की तरफ से पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पान के नाम को प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रपति रोड्रिगो शावेज ने इसकी जानकारी दी। 69 वर्षीय ग्रिनस्पैन अभी संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट के महासचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं। राफेल ग्रोसी-अर्जेंटीना: अर्जेंटीना की तरफ से राफेल ग्रोसी का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है। ग्रोसी, अर्जेंटीना के पूर्व राजनयिक हैं और फिलहाल इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक पद पर हैं।

रिपोर्ट का दावा- काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद से हटाएंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस ने किया खारिज

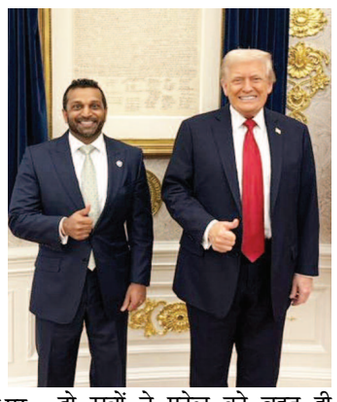

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल का भविष्य सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट में इस मामले से परिचित तीन लोगों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी महीनों में उन्हें हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा कि जब यह शीर्षक प्रकाशित हुआ, तब वह ओवल ऑफिस में थीं, जहां ट्रंप पटेल और उनकी कानून प्रवर्तन टीम के साथ बैठक कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगी पटेल के बारे में नकारात्मक सुर्खियों की लहर से परेशान हो गए हैं और उन्हें हटाने पर चर्चा शुरू कर दी है। कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति इस कहानी पर हंसे और पटेल के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के लिए उनके साथ फोटो खिंचवाई।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने सहयोगियों को बताया है कि वह एफबीआई निदेशक पद के लिए शीर्ष एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली के नाम पर विचार कर रहे हैं। दो सूत्रों ने पटेल को बहुत ही कमजोर स्थिति में बताया था। सूत्रों ने कहा था कि उनका हटना पहले से कहीं ज्यादा नजदीक दिख रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद इस मामले का पटाक्षेप होता दिख रहा है।

पटेल को कई सप्ताह से ब्यूरो संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें उनकी प्रेमिका की सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी जेट के इस्तेमाल और ट्रंप के वफादार साथियों के साथ आंतरिक टकराव के बारे में सवाल शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने कई निजी यात्राओं के लिए सरकारी विमान का इस्तेमाल किया था। इसमें टेक्सास के एक लग्जरी रिसॉर्ट और टेनेसी में अपनी प्रेमिका के घर की यात्रा भी शामिल थी।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं। मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इंडोनेशिया: मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 10 की मौत, कई लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई

घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोलगा के पुलिस प्रमुख एडी इंगंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है। पहाड़ी शहर में छह भूस्खलनों में 17 घर और एक कैफे ध्वस्त होने के बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बारिश से और ज्यादा भूस्खलन हो सकता है। इंगंटा ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में रुकावट आई है। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों के कठिन परिस्थितियों से जूझने के कारण पहुंच सीमित बनी हुई है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो इलाकों में 10 दिनों के अभियान के बाद राहत कार्यों की मंगलवार को आधिकारिक समाप्ति का एलान किया था। कुछ ही घंटों बाद सुमात्रा द्वीप पर बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन का कहर देखने को मिला। वहीं, मध्य जावा के सिलाकैप और बंजारनेगारा जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश के लिए 1,000 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 38 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट: दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है।

यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। यूएन विमेन की नीति प्रभाग निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा की बढ़ती भूमिका पर चिंता जताई। उनके अनुसार, डिजिटल हिंसा कई बार ऑनलाइन से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया में पहुंचती है और चरम रूप में हत्या जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है।

पिछले साल 83 हजार महिलाओं की हुई हत्या : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या की गई, जिनमें से 60 फीसदी यानी 50,000 की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। इसके मुकाबले पुरुषों की हत्या के सिर्फ 11 फीसदी मामलों में ही उनके साथी या परिजन शामिल थे। हालांकि 2024 में करीबी द्वारा हुई 50,000 हत्याएं, 2023 के अनुमान (51,100) से थोड़ी कम हैं, लेकिन रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कमी वास्तविक गिरावट नहीं है, बल्कि देशों से उपलब्ध आंकड़ों में अंतर की वजह से है।

अफ्रीका में हत्या की दर सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई फेमिसाइड की सबसे ज्यादा दर अफ्रीका (प्रति 1 लाख महिलाओं पर 3) में दर्ज की गई। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिआनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर के बाहर होने वाली फेमिसाइड की घटनाओं के बारे में अभी भी पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है।

शेख हसीना की सजा के खिलाफ अवामी लीग का हल्लाबोल, 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उनकी पार्टी अवामी लीग ने मंगलवार (25 नवंबर) को 30 नवंबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन और 'प्रतिरोध मार्च' निकालने का एलान किया है। पार्टी ने इस सजा को 'अवैध ट्राइब्यूनल का अवैध फैसला' बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है।

17 नवंबर को सुनाई थी फांसी की सजा : 17 नवंबर को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT-BD) ने 78 वर्षीय हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों नेताओं का मुकदमा अनुपस्थिति में चला। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि कमाल के भी भारत में छिपे होने की आशंका है।

अंतरिम सरकार की साजिश दिया करार : अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यह फैसला मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार की साजिश है, ताकि हसीना और उनकी पार्टी को अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से दूर रखा जा सके। पार्टी ने 'अवैध ट्राइब्यूनल के अवैध फैसले' को अस्वीकार करते हुए यूनुस के इस्तीफे की मांग की और देश के सभी जिलों और उपजिलाओं में 30 नवंबर तक प्रदर्शन और प्रतिरोध रैलियां आयोजित करने की घोषणा की। अवामी लीग ने कहा कि यह फैसला 'तमाशा' है, जिसे जनता 'तिरस्कार के साथ खारिज कर चुकी है।

पूरे देश में कड़े आंदोलन का एलान : अवामी लीग ने दावा किया कि वह जमीनी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक संगठनों के साथ मिलकर 'राष्ट्रविरोधी साजिशों' का मुकाबला करेगी और किसी भी कीमत पर 'मुक्ति संग्राम समर्थक ताकतों को चुनाव से बाहर करने की कोशिशों' को नाकाम करेगी। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश में साजिश के जरिए चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर इसका विरोध किया जाएगा। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि जल्द ही पूरे देश में कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को 'जुलाई विद्रोह' नाम का छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, 'हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता-योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुई। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं।

उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जतायी है। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे हैं। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को को घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, ÷वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं–क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।'' वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज़ हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह जिम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज़ हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते। मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता। अगर आप आज कप्तान हैं, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे। इसलिए ज़िम्मेदारी ज़रूरी है। पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे। पंत का प्रोटियाज़ टेस्ट सीरीज़ में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ़ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफ: तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में यशदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर: भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टर: दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टर: कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़त दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है। उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं। एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव। मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है। हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है। हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

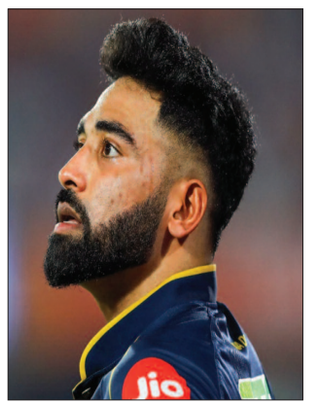

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिसबेन । यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी। इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल को भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफ़ी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मज़बूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर आईएएनएस से बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है। इंटरव्यू में अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।

उन्होंने आगे कहा, टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नए सफर जैसा होता है, जो मेरे जीवन, संघर्ष और खुद को समझने का मौका देता है। टीवी ने सिखाया कि कैसे कठिनाइयों का सामना किया जाता है और जीवन के हर अनुभव से सीख ली जाती है। अमनदीप ने नागिन 6 के अनुभव को साझा करते हुए कहा, टीवी पर काम करने का सबसे खास हिस्सा है रोजाना का रूटीन और दर्शकों के साथ जुड़ाव। जब मैं किसी डेली सोप में काम करती हूं, तो मेरा किरदार समय के साथ विकसित होता है और मुझे व्यक्तिगत रूप से भी सीखने का मौका मिलता है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे खुशी देती है और यह अनुभव दर्शकों के बीच एक खास रिश्ता बनाता है।

बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म में काम करेंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है। श्रद्धा ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि ईथा के बाद वह राहुल मोदी की एक फिल्म में दिखेंगी, जो स्टार्टअप्स की दुनिया की कहानी होगी। श्रद्धा ने कहा कि फिल्म में उनका रोल बहुत चैलेंजिंग है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा।

स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

कौन हैं, कहां से हैं राहुल मोदी?

राहुल मोदी और श्रद्धा कपूर ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई है, लेकिन एक्ट्रेस ने कई बार फैंस को अपने रिश्ते को लेकर हिंट दिया है। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। वह प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। राहुल मोदी मुंबई से ही हैं। उन्होंने लव रंजन की 2011 में रिलीज प्यार का पंचनामा के सेट पर बतौर इंटर्न करियर की शुरुआत की थी।

जान-बूझकर चुन रही हैं कम फिल्में

एक विलेन फेम एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह करियर के इस पड़ाव पर सिर्फ वैसे रोल ही चुन रही हैं, जो उन्हें एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ाए। श्रद्धा ने कहा, अभी मैं जान-बूझकर यही तय कर रही हूं कि मुझे इस टाइप के रोल ही करने हैं, जहां पर मैं एक एक्टर के तौर पर बहुत ज्यादा चैलेंज होती हूं और एक एक्टिव कैरेक्टर प्ले करती हूं। इसलिए बहुत सोच समझकर स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हूं।

नीना गुप्ता से सीखते और अनुभव लेते हैं संजय मिश्रा

इन दिनों बॉलीवुड की कई जानी मानी हस्तियां 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा भी फेस्टिवल में पहुंचे। यहां उन्होंने अपकमिंग फिल्म वध 2 की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इस बीच उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी साथी कलाकार नीना गुप्ता की तारीफ की।

संजय मिश्रा ने नीना गुप्ता के बारे में कहा उनके साथ काम करके सीखने का मौका मिलता है और अनुभव मिलता है। नीना गुप्ता मेरी सीनियर हैं और आज भी मैं उनसे बहुत कुछ सीखता हूं। नीना गुप्ता स्वास्थ्य कारणों की वजह से फिल्म फेस्टिवल में नहीं आ सकीं। इस पर संजय मिश्रा ने कहा आज नहीं आ पाईं, उनकी तबियत थोड़ी खराब है वर्ना वह भी आपके पास होतीं।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

मिश्रा का मानना है कि ऐसी फिल्म के साथ लौटना उनके लिए इमोशनल है। यह फिल्म उन लोगों के माहौल को दिखाती है जो अजीब हालात का सामना करते हैं। फिल्म अगले साल 6 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या है वध 2 की कहानी

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में वध 2 की स्क्रीनिंग हुई। इस फिल्म के निर्देशक जसपाल सिंह संधू हैं। इसके निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। इस फिल्म में एक मिडिल क्लास जोड़े की कहानी दिखाई गई है। उनका बेटा उन्हें छोड़कर अमेरिका में बस जाता है। वह दोनों लोन की वजह से परेशान हो जाते हैं।

मनोज बाजपेयी ने 'फैमिली मैन' को भी बताया गेम चेंजर

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह श्रीकांत तिवारी नाम के स्पेशल एजेंट का रोल करते हैं। द फैमिली मैन सीरीज ने वेब सीरीज की दुनिया में एक गेम चेंजर का काम किया है।

'द फैमिली मैन 3' का सफर कितना रोमांचक रहा?

सफर बेहद रोमांचक रहा। इस बार 'द फैमिली मैन' सिर्फ स्केल में बड़ा नहीं है, चुनौतियां भी कहीं ज्यादा बड़ी हैं। इस बार जो दुश्मन है वो भी बड़ा और खूंखार है। और अगर उसमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर जैसे नाम जुड़े हों, तो समझ सकते हैं कि ये ऐसे ही नहीं आए हैं।

क्या आप मानते हैं कि फैमिली मैन ने कहीं न कहीं गेमचेंजर का काम किया?

यकीनन, इसने पूरी मनोरंजन की दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया था। इसने ओटीटी को बहुत बड़ी पहचान दी और ऑडियंस को बताया कि थिएटर के अलावा भी एक मीडियम है जो आपका मनोरंजन कर सकता है। उसके बाद जब दूसरा सीजन आया.. वो तो बहुत ही बड़ा था। तब से मनोरंजन की पूरी परिभाषा ही बदल गई हमारे यहां पर।

क्या आपकी असल ज़िंदगी में कभी ऐसा वक्त आया जब काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा हो?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं।

मैं बार-बार नेगेटिव किरदार नहीं करना चाहता था

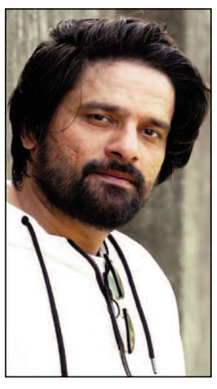

एक्टर जयदीप अहलावत ने द फैमिली मैन में नेगेटिव किरदार निभाया है और उनका सामना मनोज बाजपेयी से हुआ है। सीरीज में उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। नेगेटिव किरदार निभाने पर उनकी कैसी छवि बन गई थी इस पर उन्होंने बात की है। बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया एक समय ऐसा भी था जब मुझे कई ऑफर ठुकराने पड़े थे। यह मौका कमांडो में काम करने के बाद आया था। मुझे कई अजीब तरह के नेगेटिव किरदार के ऑफर आने लगे थे। फिल्म में मैंने जो किरदार किया था वह थोड़ा अजीब और अलग था। हर कोई मुझे अजीब तरह के नेगेटिव रोल ऑफर करता। यह परेशान करने वाला था। अगर आप कुछ अलग करते हैं तो आपके पास आने वाली हर दूसरी स्क्रिप्ट वैसी ही होती है। मैं ऐसे रोल क्यों करूं। मैं बार-बार वही किरदार नहीं करना चाहता। जयदीप ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ फिल्मों और शोज में काम किया तब उनकी छवि में बदलाव हुआ।

मेरी फिल्मों में हमेशा सोशल लेयर रहती है

फिल्ममेकर कबीर खान गोवा के पणजी में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंचे। इवेंट के दौरान उन्होंने बातचीत में अपने प्रोजेक्ट्स और सलमान खान के साथ काम करने को लेकर जैसे कई मुद्दों पर बात की। कबीर खान ने अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, कार्तिक ने इस फिल्म के लिए जिस लेवल की मेहनत की, वैसी मेहनत बहुत कम एक्टर करते हैं। डेढ़ साल तक उन्होंने खुद को पूरी तरह रोल के हवाले कर दिया। बॉक्सिंग सीखी, स्विमिंग सीखी, और सबसे मुश्किल बिना पैरों के स्विमिंग सीखना भी। उन्होंने अपने शरीर को 37 प्रतिशत फैट से घटाकर सिर्फ 7 प्रतिशत तक लाया। ये किसी आम कलाकार के बस की बात नहीं।

जब उनसे पूछा गया कि कार्तिक आर्यन, जिनकी पहचान प्यार का पंचनामा और लुका छुपी जैसी हल्की-फुल्की फिल्मों के किरदारों से रही है, उन्हें चंदू चैंपियन जैसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण रोल के लिए क्यों चुना गया, तो इस पर कबीर खान ने बताया कि उनके करियर की खासियत यही रही है कि वे हमेशा कलाकारों को उनकी सहज छवि से बाहर निकालते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने न्यूयॉर्क में कैटरीना कैफ को लिया, तो वो उनके करियर का सबसे अलग रोल था। फिल्म काबुल एक्सप्रेस में जॉन अब्राहम, 83 में रणवीर सिंह और बजरंगी भाईजान में सलमान खान इन सबने अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए। अब कार्तिक ने भी वैसा ही किया है। मेरे लिए यही सिनेमा का असली मजा है किसी एक्टर के अंदर वो रॉ मटीरियल देखना और उसे नए किरदार में ढाल देना। आने वाले प्रोजेक्ट्स पर कबीर खान ने बताया कि वे अगले महीने एक नई फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ये कहानी बहुत दिलचस्प है और इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया जा रहा है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन ये मेरे अब तक के काम से थोड़ी हटकर होगी।

जब कबीर खान से पूछा गया कि उनकी फिल्मों में हमेशा सामाजिक या राजनीतिक परत देखने को मिलती है क्या वे कभी इससे अलग दिशा में, जैसे कॉमेडी या एक्शन जॉनर में कुछ नया करने का सोचते हैं?

इस पर उन्होंने कहा, मेरी फिल्मों में हमेशा एक सोशल या पॉलिटिकल लेयर रहती है, क्योंकि मुझे वैसा सिनेमा देखना पसंद है, इसलिए मैं वैसा ही बनाता हूं, लेकिन अगर किसी कहानी में बजरंगी भाईजान जैसी कॉमेडी होगी, तो वह अपने आप आ जाएगी और अगर कहानी में एक था टाइगर या फैंटम जैसा एक्शन होगा, तो वो भी आएगा। मैं कभी जॉनर के हिसाब से नहीं, कहानी के हिसाब से सोचता हूं। मेरे लिए मूल में हमेशा ह्यूमन स्टोरी होती है।

आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं

जब उनसे पूछा गया कि क्या कोई ऐसा एक्टर है जो उनकी बकेट लिस्ट में शामिल है, जिनके साथ वे भविष्य में काम करना चाहते हैं, तो कबीर बोले, बहुत सारे हैं। शाहरुख खान हैं उन्होंने ट्यूबलाइट में मेरे साथ कैमियो किया था, लेकिन कभी पूरी फिल्म नहीं की। आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं।

बजरंगी भाईजान 2 पर बोले कबीर

सलमान खान के साथ फिर से काम करने के सवाल पर, कबीर ने कहा, मेरी और सलमान की जोड़ी हमेशा खास रही है। बजरंगी भाईजान को आज दस साल हो गए हैं, लेकिन लोगों का प्यार आज भी वैसा ही है। लोग बार-बार पूछते हैं कि बजरंगी भाईजान 2 कब बनेगी। मैं और सलमान भी इस पर बात करते हैं, लेकिन हम दोनों मानते हैं कि ऐसी फिल्म की लीगेसी को बिगाड़ना नहीं चाहिए। अगर हमें कोई शानदार स्क्रिप्ट मिलती है, तो जरूर बनाएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एक्सीलेंट पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 8, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।